खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-22

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

कल अंतिम दिन

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी, अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि

24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता - नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए कुछ ही घंटों का बेहद शुभ मुहूर्त, जानें समय और संपूर्ण पूजा विधि

बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ मास की पंचमी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन माता सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। इसलिए इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन मां सरस्वती की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान के साथ करता है उसे ज्ञान की प्राप्ति होती है। साथ ही विद्यार्थियों के पढ़ाई में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। मान्यता है कि इस दिन से बसंत ऋतु का आगमन होता है। आइए जानते हैं बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए शुभ मुहूर्त कब से कब तक रहने वाले है। साथ ही जानें सरस्वती पूजा की संपूर्ण विधि।

बसंत पंचमी 2026 सरस्वती पूजा मुहूर्त

सरस्वती पूजा के लिए वैसे तो किसी मुहूर्त की जरूरत नहीं है क्योंकि, इस दिन अबूझ मुहूर्त माना जाता है लेकिन, विशेष रुप से शुभ चौघडिया मुहूर्त में की गई पूजा पाठ से ज्ञान की प्राप्ति होती है। विद्यार्थियों के लिए यह मुहूर्त विशेष रुप से लाभकारी माना गया है। जिन बच्चे का शिक्षा संस्कार इस दिन किया जाता है उन्हें भी मुहूर्त का ख्याल करते हुए ही पूजा करनी चाहिए।

चल चौघडिया सुबह में 7 बजकर 13 मिनट से 8 बजकर 33 मिनट तक

लाभ चौघडिया सुबह में 8 बजकर 33 मिनट से 9 बजकर 53 मिनट तक

अमृत चौघडिया सुबह 9 बजकर 53 मिनट से 11 बजकर 13 मिनट तक

बसंत पंचमी 2026 सरस्वती पूजा विधि और मंत्र

सरस्वती पूजा के लिए सबसे पहले पूजा स्थाल को अच्छे से गंगाजल से साफ कर लें।

इसके बाद सरस्वती माता की प्रतिमा एक चौकी पर स्थापित करें और उस लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़ा बिछा लें।

इसके बाद धूप, दीप और गुगल जलाएं और फिर पूजा का आरंभ केरं।

सबसे पहले माता सरस्वती का ध्यान करें।

ऊं अपवित्र: पवित्रोवा सर्वावस्थां गतोऽपिवा। य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर: शुचि:।। इस मंत्र का जप करें और पीले फूल अपने आसन पर तीन बार अर्पित करें। ऐसे करने से आपका आसन शुद्ध होगा।

इसके बाद ऊं केशवाय नम:, ऊं माधवाय नम:, ऊं नारायणाय नम: मंत्र का जप करते हुए अपने हाथ धोएं इसके बाद ऊं पृथ्वी त्वयाधृता लोका देवि त्यवं विष्णुनाधृता। त्वं च धारयमां देवि पवित्रं कुरु चासनम्।। मंत्र बोले ।

अब 'चन्दनस्य महत्पुण्यम् पवित्रं पापनाशनम्, आपदां हरते नित्यम् लक्ष्मी तिष्ठतु सर्वदा।' मंत्र कहते हुए चंदन लगाएं।

अब हाथ में तिल, फूल, अक्षत, मिठाई, फल आदि लेकर 'यथोपलब्धपूजनसामग्रीभिः माघ मासे बसंत पंचमी तिथौ भगवत्या: सरस्वत्या: पूजनमहं करिष्ये।' मंत्र लेकर सभी चीजें एक एक करके मां सरस्वती को अर्पित कर दें। इसके बाद गणपति जी की पूजा करें।

अब गणेश जी का ध्यान करते हुए बोले गजाननम्भूतगणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फलचारुभक्षणम्। उमासुतं शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपंकजम्।

अब हाथ में थोड़े अक्षत लेकर गणपति की का आह्वान करें और बोलें 'ऊं गं गणपतये इहागच्छ इह तिष्ठ।। अब अक्षत अर्पित कर दें।

अब गणेश जी को तिलक करें और तिलक करते समय बोले एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम् ऊं गं गणपतये नम:। रक्त चंदन लगाएं: इदम रक्त चंदनम् लेपनम् ऊं गं गणपतये नम:

अब गणेश जी को सिंदूर अर्पित करें और बोले इदं सिन्दूराभरणं लेपनम् ऊं गं गणपतये नम:। इसे के साथ गणेशजी को दूर्वा अर्पित कर दें। अब वस्त्र अर्पित करें और बोलें ऊं गं गणपतये समर्पयामि।

अब गणेश जी को प्रसाद अर्पित करें। इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं गं गणपतये समर्पयामि:। मिष्टान अर्पित करने के लिए मंत्र: इदं शर्करा घृत युक्त नैवेद्यं ऊं गं गणपतये समर्पयामि:। अब गणेशजी को पान और सुपारी अर्पित करें और बोलें इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं गं गणपतये समर्पयामि:।

अब गणेशजी को फूल अर्पित करें और बोलें एष: पुष्पान्जलि ऊं गं गणपतये नम:।

सरस्वती पूजा विधि

इसके बाद एक घड़ा लें और घड़े पर मौली बांध दें। उसके ऊपर पंच पल्लव रखें।

कलश के अंदर सुपारी, दूर्वा, अक्षत, मुद्रा रखें। कलश के गले में मौली लपेटें।

इसके बाद नारियल पर वस्त्र लपेट कर कलश पर रखें।

अब कलश को हाथ में लेकर वरुण देव का ध्यान करते हुए बोलें ओ3म् त्तत्वायामि ब्रह्मणा वन्दमानस्तदाशास्ते यजमानो हविभि:। अहेडमानो वरुणेह बोध्युरुशंस मान आयु: प्रमोषी:।

अब सरस्वती माता का ध्यान करते हुए बोलें

या कुन्देन्दु तुषारहार धवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।।
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।
शुक्लां ब्रह्मविचारसारपरमांद्यां जगद्व्यापनीं।
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यांधकारपहाम्।।
हस्ते स्फाटिक मालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्।
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्।।

इसके बाद हाथ में थोड़े अक्षत लें और बोलें ॐ भूर्भुवः स्वः सरस्वती देव्यै इहागच्छ इह तिष्ठ। फिर अक्षत छोड़े। इसके बाद जल लेकर 'एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम्। और जल को अर्पित करें। अब प्रतिष्ठा के बाद स्नान कराएं: ॐ मन्दाकिन्या समानीतैः, हेमाम्भोरुह-वासितैः स्नानं कुरुष्व देवेशि, सलिलं च सुगन्धिभिः।। ॐ श्री सरस्वतयै नमः।। बोलते हुए मां सरस्वती को स्नान कराएं।

इसके बाद वस्त्रं समर्पयामि बोलते हुए वस्त्र अर्पित करें।

चंदन का तिलक करें। ॐ मन्दार-पारिजाताद्यैः, अनेकैः कुसुमैः शुभैः। पूजयामि शिवे, भक्तया, सरस्वतयै नमो नमः।।

अब फूल अर्पित करें और बोलें ॐ सरस्वतयै नमः, पुष्पाणि समर्पयामि।'

इसके बाद इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं सरस्वतयै समर्पयामि मंत्र बोलते हुए नैवैद्य अर्पित करें।

अब मां सरस्वती को भोग लगाएं और इदं शर्करा घृत समायुक्तं नैवेद्यं ऊं सरस्वतयै समर्पयामि बालते हुए प्रसाद अर्पित कर दें।

प्रसाद के बाद मां सरसवती को सुपारी और पान अर्पित करें और बोलें इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं सरस्वतयै समर्पयामि। अंत में एक फूल लेकर उसमें चंदन और अक्षत लगाकर किताब कॉपी पर रखें। और रखते हुए बोलें एष: पुष्पान्जलि ऊं सरस्वतयै नम:।

अंत में मां सरस्वती की आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

कहीं कॉपी-पैन तो कहीं बसंती काकेरा, इन बड़े मंदिरों में मां सरस्वती को लगता है विशेष भोग

देशभर में बसंत पंचमी का त्योहार 23 जनवरी को मनाया जाएगा। ऐसे मौके पर मंदिरों में विशेष अनुष्ठानों का आयोजन होता है और मां सरस्वती को विशेष प्रकार के भोग भी लगाए जाते हैं। बसंत के आगमन के साथ ही मां को ज्ञान की वस्तुओं के अलावा, पीला भोग और वस्त्र भी बहुत प्रिय हैं। आज हम उत्तर से लेकर दक्षिण तक के कुछ बड़े मंदिरों में चढ़ने वाले विशेष भोग के बारे में बताएंगे। राजस्थान के बसंतगढ़ में मां सरस्वती को समर्पित विशेष मंदिर सरस्वती उद्गम मंदिर स्थित है, जहां बसंत पंचमी के दिन मंदिर में लाखों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर की विशेषता मां को लगने वाला भोग भी है। मंदिर में मां को भोग स्वरूप मिष्ठान के अलावा, कॉपी और पैन भी चढ़ाते हैं। भक्त विशेष रूप से मां को कॉपी और पैन भेंट करते हैं। आंध्र प्रदेश के वारंगल सरस्वती मंदिर में बसंत पंचमी के दिन बच्चों और विद्यार्थियों के लिए विशेष अक्षराभ्यास का आयोजन किया जाता है और मां को केसरिया मीठे चावल, मीठे पूए और पीले मिष्ठान का भोग लगता है। बच्चे और विद्यार्थी दोनों ही बसंत पंचमी के दिन मां का आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं।

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ मंदिर में बसंत पंचमी का त्योहार अनोखे तरीके से मनाया जाता है। बसंत पंचमी के दिन मंदिर में मां सरस्वती और प्रभु जगन्नाथ को बसंत काकेरा का भोग लगता है। प्रसाद को प्रभु जगन्नाथ के अलावा, दक्षिण घर में चढ़ाया जाता है, जहां मां लक्ष्मी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं मौजूद हैं। बसंत काकेरा गेहूं और चावल के आटे से बना मीठा भोग होता है।

मध्य प्रदेश के मैहर में स्थित 51 शक्तिपीठों में से शारदा देवी मंदिर में बसंत पंचमी की रौनक अलग ही देखने को मिलती है। बसंत पंचमी के दिन मंदिर में मां शारदा को हलवा-पूरी और केसरिया खीर का भोग लगाया जाता है और मां को पीले वस्त्र भी पहनाए जाते हैं। भक्त भी बड़ी संख्या में पीले फूल और पीले मिष्ठान लेकर मंदिर पहुंचते हैं।

तेलंगाना के बसरा में स्थित ज्ञान सरस्वती मंदिर में भी बसंत पंचमी के दिन मंदिर में अनुष्ठान और अक्षराभ्यासम का आयोजन होता है और भोग के रूप में पीले मीठे चावल और पीली बुंदी के लड्डू चढ़ाए जाते हैं।

मां सरस्वती को लगाएं उनके ये प्रिय भोग मिलेगा ज्ञान और उन्नति का आशीर्वाद

बसंत पंचमी सरस्वती पूजा माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। यह पर्व ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना के लिए समर्पित होता है। इस दिन किसी भी मांगलिक कार्य को बिना किसी मुहूर्त देखे भी किया जा सकता है। यह दिन छात्रों, लेखकों और शिक्षकों के लिए भी उत्तम माना जाता है। इस दिन सरस्वती पूजा में अर्पित किए जाने वाले प्रसाद का भी विशेष महत्व होता है। मां को पीली चीजें अति प्रिय हैं।

बसंत पंचमी पर पीले रंग का विशेष महत्व है। पीला रंग ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से सरस्वती पूजा में पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले रंग का भोग लगाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में पीला रंग गुरु ग्रह से जुड़ा माना जाता है, जो ज्ञान, शिक्षा, भाग्य और समृद्धि का कारक है। इसलिए मां सरस्वती को पीले रंग की चीजों का प्रसाद चढ़ाना शुभ फल देने वाला माना जाता है।

बसंत पंचमी पर पीला भोग

सरस्वती पूजा के दिन मां को केसर वाली खीर, बूंदी और बेसन के लड्डू, पीले चावल, मालपुआ, केसर से बना हलवा और धनिए की पंजीरी का प्रसाद मां को अर्पित किया जाता है। ज्योतिष में खीर को मानसिक शुद्धता और शांति का प्रतीक माना जाता है, जबकि लड्डू को सफलता और पीले चावल समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं।

बसंत पंचमी पर पंचामृत का भोग

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को प्रसाद के तौर पर केला, बेर, सेब, नारियल और मौसमी फल भी अर्पित किए जाते हैं। नारियल को एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन मां को पंचामृत- दूध, दही, घी, शहद और शक्कर अर्पित करने से विद्या और वाणी में मधुरता का आशीर्वाद मिलता है।

सरस्वती पूजा के प्रसाद का महत्व

बसंत पंचमी के दिन शुद्ध मन और श्रद्धा पूर्वक तैयार किए गए प्रसाद से ग्रह दोष शांत होते हैं। इसके साथ ही बुध और गुरु से जुड़े दोषों में भी कमी आती है। खास तौर पर छात्रों के लिए यह दिन विशेष फलदायी माना जाता है। वहीं, सरस्वती पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करने से स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है।

बसंत पंचमी पर राशि अनुसार विद्या और बुद्धि का प्रभाव, मां सरस्वती की कृपा से बदलेगा दिन

बसंत पंचमी को ज्ञान, विद्या, बुद्धि, वाणी और रचनात्मकता से जोड़कर देखा जाता है। यह दिन सीखने-समझने की क्षमता को मजबूत करने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन ग्रहों की स्थिति व्यक्ति की सोच, पढ़ाई, निर्णय क्षमता और रचनात्मक कार्यों पर गहरा असर डालती है। बसंत पंचमी पर अलग-अलग राशियों पर मां सरस्वती की ऊर्जा अलग रूप में दिखाई देती है, जिससे कहीं आत्मविश्वास बढ़ता है तो कहीं एकाग्रता और कल्पनाशक्ति को बल मिलता है।

मेष राशि–मेष राशि के जातकों के लिए बसंत पंचमी मानसिक सक्रियता को बढ़ाने वाला दिन है। इस दिन सोच में तेजी आएगी और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और नए विचारों से जुड़े कामों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से नेतृत्व से जुड़े मामलों में भी बेहतर परिणाम सामने आ सकते हैं।

वृषभ राशि–वृषभ राशि वालों पर बसंत पंचमी का प्रभाव रचनात्मकता और सौंदर्यबोध के रूप में दिख सकता है। कला, संगीत, लेखन और डिजाइन से जुड़े लोगों के लिए यह दिन प्रेरणा देने वाला रहेगा। वाणी में प्रभाव बढ़ेगा, जिससे बातचीत और प्रस्तुति से जुड़े कामों में लाभ मिल सकता है।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के लिए यह दिन बौद्धिक क्षमता को निखारने वाला माना जा रहा है। पढ़ाई, रिसर्च, मीडिया, व्यापार और संचार से जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के संकेत मिल सकते हैं। एकाग्रता में सुधार होगा और नई जानकारी को जल्दी समझने की क्षमता बढ़ेगी।

कर्क राशि–कर्क राशि के जातकों के लिए बसंत पंचमी मन और भावनाओं को संतुलन देने वाला दिन है। इस दिन मानसिक शांति महसूस हो सकती है और पढ़ाई या रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। परिवार से जुड़ी बातचीत में भी समझदारी और भावनात्मक गहराई देखने को मिल सकती है।

सिंह राशि–सिंह राशि वालों के लिए यह पर्व आत्मविश्वास और पहचान से जुड़ा रहेगा। बसंत पंचमी पर नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आ सकती है। शिक्षा, प्रशासन या जिम्मेदारी वाले कार्यों में सराहना मिलने के संकेत हैं। विचारों में स्पष्टता रहने से फैसले मजबूत होंगे।

कन्या राशि–कन्या राशि के जातकों के लिए यह दिन विश्लेषण और एकाग्रता बढ़ाने वाला है। पढ़ाई, लेखन, अकाउंट्स या तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। छोटे-छोटे कामों पर ध्यान देने से बड़े परिणाम हासिल हो सकते हैं।

तुला राशि–तुला राशि पर बसंत पंचमी का प्रभाव संतुलन और सौंदर्य से जुड़ा रहेगा। कला, फैशन, डिजाइन और रचनात्मक क्षेत्रों में जुड़े लोगों को नई दिशा मिल सकती है। बातचीत और समझौते से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक माहौल बनेगा।

वृश्चिक राशि–वृश्चिक राशि के लिए यह दिन गहराई से सोचने और सीखने का है। रिसर्च, मनोविज्ञान या गुप्त विषयों में रुचि बढ़ सकती है। मानसिक दृढ़ता के कारण कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु राशि–धनु राशि के जातकों के लिए बसंत पंचमी ज्ञान और दृष्टिकोण को विस्तार देने वाला दिन है। उच्च शिक्षा, शिक्षण और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ सकती है। सीखने-सिखाने से जुड़े कामों में संतोषजनक परिणाम मिलने के संकेत हैं।

मकर राशि–मकर राशि वालों के लिए यह पर्व अनुशासन और लक्ष्य पर फोकस को मजबूत करेगा। पढ़ाई और करियर से जुड़े मामलों में निरंतर मेहनत का सकारात्मक असर दिखाई दे सकता है। जिम्मेदारियों को समझदारी से निभाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ राशि–कुंभ राशि के जातकों के लिए बसंत पंचमी नए विचारों और नवाचार से जुड़ी रहेगी। टेक्नोलॉजी, विज्ञान और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रेरणा मिल सकती है। सोच में मौलिकता आएगी और अलग दृष्टिकोण से काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

मीन राशि–मीन राशि वालों के लिए यह दिन कल्पनाशीलता और रचनात्मक ऊर्जा को बढ़ाने वाला है। लेखन, संगीत, कला और आध्यात्मिक विषयों में रुचि गहरी हो सकती है। भावनाओं के साथ-साथ समझदारी से काम लेने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। बसंत पंचमी 2026 सभी राशियों के लिए ज्ञान, बुद्धि और रचनात्मकता से जुड़ी संभावनाएं लेकर आ रही है। इस दिन ग्रहों की स्थिति व्यक्ति की सोच और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जिससे शिक्षा, करियर और बौद्धिक विकास के क्षेत्र में नए अवसर बन सकते हैं।

श्री शांति सूरिश्वरजी गुरु भगवंत की 136वीं जन्म जयंती व 121वां दीक्षा दिवस

गुरुदेव श्री शान्तिसूरीश्वरजी का जन्म वसंत-पंचमी के पावन दिन 24 जनवरी 1890 (वि.सं. 1946) को हुआ। माता वसुदेवी की कोख से जन्म लेते ही उनमें वैराग्य और आत्म-चेतना के बीज दिखे। संसार के प्रति उनमें बचपन से ही स्वाभाविक उदासीनता और आत्मनिष्ठा स्पष्ट थी। उल्लेखनीय है कि उनके जन्म-दिन और दीक्षा-दिन दोनों वसंत-पंचमी को ही पड़ेयह उनके जीवन की आंतरिक ज्योति का प्रतीक है।

गुरुदेव ने मात्र 16 वर्ष की आयु में, अपने काका श्री तीर्थविजय जी महाराज के सान्निध्य में, रामसीन गाँव में 9 फरवरी 1905 को दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के बाद उनका जीवन पूर्णतः साधना, त्याग और तपस्या को समर्पित हो गया। उन्होंने जीवन के प्रत्येक कार्य को साधना का रूप दे दिया।

गुरुदेव का व्यक्तित्व सरल, तेजस्वी और करुणामयी था। उनका विशाल ललाट, ऊँचा मस्तक और चमकती आँखेंउनके दृढ़चित्त स्वभाव को दर्शाती थीं; किन्तु उनकी असली महानता उनकी स्नेहपूर्ण और सबका कल्याण चाहने वाली वृत्ति में निहित थी। वे अनेक भाषाओं में पारंगत थे और अनेक शिष्यों को अलग-अलग स्थानों पर उनके दर्शन की अनुभूति होती थी, जो उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति की गहनता का संकेत है

गुरुदेव का संदेश हमेशा सादा और व्यवहारिक रहा। वे कहते थेशराब-दारू का सेवन न करें। मांसाहार त्यागें। पानी छानकर ही पिएँ।

इन निर्देशों में न केवल शारीरिक स्वच्छता का सार है, बल्कि संयम, अहिंसा और शुद्ध जीवन-शैली के नैतिक आदर्श भी निहित हैं। उन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद की ज्योति प्रज्वलित की और ग्राम्य जनता में गहरा प्रभाव डाला।

गुरुदेव ने दान, दया और करुणा को जीवन का आधार बनाया। उन्होंने अस्पताल खुलवाए, गौ-हत्या रोकवाई और अनाथों तथा निर्धनों की सहायता कराई। उनके प्रयासों से कई सामाजिक कुरीतियाँबाल-विवाह, अनावश्यक भोग-विधियाँ इत्यादिकम हुईं। उनके उपदेशों ने लोगों को केवल नैतिकता की ओर प्रेरित नहीं किया, बल्कि व्यवहारिक परिवर्तन भी लाये।

गुरुदेव ने विभिन्न धर्मग्रंथों से सार कर सरल भाषा में लोगों तक पहुँचाया। उनकी वाणी मधुर, प्रभावी और हृदयस्पर्शी थी; सुनने वाले सहज ही प्रभावित हो उठते और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा पाते। न किसी सत्ता की आवश्यकता थी, न किसी दबाव कीउनके उपदेश सत्य और प्रेम की शक्ति से स्वीकार्य हुए।

आधुनिक जीवन की तेज़ी, असहिष्णुता और भौतिक प्रवृत्तियों में गुरुदेव की अहिंसा-आधारित और करुणा-प्रधान शिक्षाएँ आज भी मार्गदर्शक हैं। वे सिखाते हैं कि सच्ची महानता सेवा, दया और आत्म-अनुशासन में निहित है। उनका जीवन हमें स्मरण कराता है कि अहिंसा केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है।

गुरुदेव श्री शान्तिसूरीश्वरजी का जीवन त्याग, करुणा और विश्व-कल्याण का जीता-जागता उदाहरण है। उनकी शिक्षाएँ आज भी हमें आत्म-शुद्धि, शान्ति और मानवता की ओर प्रेरित करती हैं।

–ऊषा जैन बरलोटा
हैदराबाद. मो. 97009 80623

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-22

मर्दानी से थप्पड़ तक: 2014 के बाद बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को शुरू किए गए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और उसके साथ जुड़ी 'सुकन्या समृद्धि योजना' ने देश के हर कोने में बालिकाओं के सशक्तीकरण की नई इबारत लिखी है। भाजपा की सरकार आने के बाद न केवल महिलाओं को सशक्त करने के लिए कई योजनाएं लाई गईं, बल्कि बॉलीवुड ने भी महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी: रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

हिचकी: 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'हिचकी' में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी: 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी: फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं। विक्की कौशल, जयदीप अहलावत और संजय सूरी ने भी अपने-अपने किरदारों के जरिए फिल्म को सशक्त बनाया।

थप्पड़: अनुभव सिन्हा की फिल्म 'थप्पड़' ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

द केरल स्टोरी: निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। शालिनी को पहले पाकिस्तान और फिर सीरिया ले जाया जाता है। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

नेहा धूपिया ने सेहतमंद रहने का साझा किया मंत्र, रोज की छोटी-छोटी आदतों पर दें ध्यान

आज के दौर में फिटनेस और वेलनेस के नाम पर हर दिन कोई नया ट्रेंड, डाइट, या चैलेंज सामने आता है। ऐसे में लोग अक्सर उलझन में पड़ जाते हैं कि आखिर सही क्या है और गलत क्या। सोशल मीडिया पर दिखने वाली परफेक्ट बॉडी और इंस्टेंट रिजल्ट देने वाले दावे लोगों पर अनजाने में दबाव बना देते हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने बात करते हुए वेलनेस को लेकर एक अलग सोच सामने रखी है। उनका मानना है कि अच्छी सेहत किसी जादू या शॉर्टकट से नहीं, बल्कि रोज की छोटी-छोटी आदतों से बनती है। नेहा धूपिया ने कहा, ''अच्छी सेहत से जुड़ी चुनौतियां टिकाऊ तरीकों पर आधारित होती हैं। मैं उन उपायों को अपनाने में भरोसा रखती हूं जो मैंने खुद अपनी जिंदगी में आजमाए हैं। सेहत को लेकर जल्दबाजी या परफेक्शन की दौड़ नुकसानदेह हो सकती है, इसलिए रोज की छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।''

नेहा ने कहा, ''मेरे एंटी-इन्फ्लेमेशन चैलेंज जैसे प्रयासों का मकसद लोगों को छोटे, लेकिन असरदार कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। इन चैलेंजों का उद्देश्य किसी को परफेक्ट बनाना नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तैयार करना है, ताकि व्यक्ति अपनी सेहत को लेकर जिम्मेदारी भरे फैसले ले सके। जब हम किसी अच्छी आदत को लगातार अपनाते हैं, तो वही आदत धीरे-धीरे हमारी लाइफस्टाइल बन जाती है।''

बता दें कि नेहा ने एंटी-इन्फ्लेमेशन चैलेंज शुरू किया है। इसके तहत, वह रोजाना हल्दी-अदरक-कलौंजी वाला ड्रिंक लेती है, जिससे शरीर की अंदरूनी सूजन कम होती है। इसके अलावा, वह कुछ हेल्दी डाइट भी लेती है। दादी-नानी के देसी नुस्खों को लेकर नेहा धूपिया ने कहा, ''भारत में सदियों से चले आ रहे प्राकृतिक नुस्खे आज भी उतने ही असरदार हैं। ये नुस्खे तुरंत चमत्कार नहीं दिखाते, लेकिन लंबे समय में शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाते हैं। अच्छी सेहत का मतलब खुद पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करना नहीं है, बल्कि अपने शरीर को समझना और उसका ख्याल रखना है।''

उन्होंने कहा, ''सेहत से जुड़ी बातें डराने वाली नहीं होनी चाहिए। अगर कोई आदत तनाव या डर पैदा कर रही है, तो वह लंबे समय तक टिक नहीं सकती। इसलिए हमेशा आसान तरीकों को अपनाना चाहिए।''

नेहा ने कहा, चबा-चबा कर भोजन खाना, शरीर को सक्रिय रखना और गट हेल्थ का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। ये साधारण चीजें इंसान की एनर्जी, मूड और सेहत में फर्क ला सकती हैं। कई बार लोग बड़े बदलाव की तलाश में रहते हैं, जबकि छोटे बदलाव ही सबसे ज्यादा असर दिखाते हैं।

गनमास्टर जी9 से नई शुरुआत करने जा रही जेनेलिया देशमुख, एक्शन और जासूसी पर आधारित है कहानी

हिंदी सिनेमा की चुलबुली अदाकारा जेनेलिया देशमुख एक बार फिर अपने अभिनय करियर में नए अध्याय की शुरुआत कर रही हैं। चुनिंदा फिल्मों के बाद अब जेनेलिया ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म को उन्होंने 'नई शुरुआत' का टैग दिया है। यह फिल्म न केवल उनके करियर के लिए अहम मानी जा रही है, बल्कि दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है। जेनेलिया ने इस नए सफर की झलक इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की। इस पोस्ट में उनके चेहरे का एक साइड प्रोफाइल दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर पर उन्होंने लिखा, 'नई शुरुआत'। इस पोस्ट में जेनेलिया ने फिल्म का नाम भी साझा किया। जिस फिल्म से जेनेलिया यह नई शुरुआत कर रही हैं, उसका नाम 'गनमास्टर जी9' है। यह एक एक्शन और जासूसी कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें उनके साथ अभिनेता इमरान हाशमी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।'गनमास्टर जी9' साल 1979 में बनी चर्चित जासूसी फिल्म 'सुरक्षा' से प्रेरित मानी जा रही है। उस दौर में 'गनमास्टर जी9' का किरदार अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इसी किरदार को नए समय, नई सोच और नए अंदाज में पेश किया जा रहा है। फिल्म में पुराने जासूसी रोमांच के साथ आधुनिक प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इस फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि फिल्म में एक्शन के साथ-साथ संगीत भी कहानी को मजबूती देगा।

इसके अलावा, जेनेलिया जल्द ही निर्देशक राम गोपाल वर्मा की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे। खास बात यह है कि यह पहली बार होगा जब जेनेलिया और मनोज बाजपेयी एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। फिल्म डर और हास्य का अनोखा मेल बताई जा रही है।

द राइज ऑफ अशोक में 1,000 कलाकार 138 दिन में पूरी हुई फिल्म : सतीश निनासम

कन्नड़ सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता सतीश निनासम अपनी आने वाली फिल्म 'द राइज ऑफ अशोका' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म 70वें दशक के उस समय की कहानी पर आधारित है, जब कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा के पास रहने वाले एक युवक ने समाज के पुराने नियमों और परंपराओं को चुनौती दी। सतीश निनासम ने प्रेस मीट के दौरान खुलासा किया, ''इस फिल्म में कम से कम 1,000 कलाकार शामिल हैं और इसे शूट करने में कुल 138 दिन लगे। यह फिल्म अपनी भारी भरकम कास्ट, विशाल सेट और विस्तृत योजना के कारण कई मायनों में विशेष महत्व रखती है।'' अभिनेता ने कहा, ''यह कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सरकारी नौकरी पाने की कोशिश करता है और अपने परिवार और समुदाय में लागू परंपराओं के बंधनों से खुद को आजाद करना चाहता है। यह कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष की नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के सामाजिक बदलाव की प्रेरक कहानी है।''

सतीश निनासम ने बताया, ''उस समय के परिवेश और जीवनशैली को फिर से बनाने में कई चुनौतियां थीं। अब के समय में गांवों में बड़े-बड़े मकान और सड़कें हैं, जबकि उस समय की वास्तविकता पूरी तरह अलग थी। इसलिए फिल्म में पुराने जमाने के कच्चे घर, कच्चे रास्ते और उस समय के दैनिक जीवन की सादगी को असली दिखाने की कोशिश की गई है।'' सतीश ने कहा, ''फिल्म में शामिल प्रत्येक कलाकार के हाव-भाव, पोशाक और अभिनय पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि कहानी का वास्तविकता से मेल खाता अनुभव दर्शकों तक पहुंच सके। इस फिल्म में सभी पात्रों का महत्व है और उनकी भूमिका केवल पृष्ठभूमि भर नहीं है, बल्कि कहानी की गहराई और प्रभाव को बढ़ाने में मदद करती है।''

अभिनेता ने बताया, ''निर्देशक ने सीजी तकनीक (कंप्यूटर जनित चित्रण) का उपयोग करके 1,400 शॉट्स को यथासंभव वास्तविक दिखाया है। फूलों से भरे खेतों को बड़ा दिखाना या बिजली के तारों को सीन्स से हटाना, जैसी विजुअल्स के लिए सीजी की मदद ली गई। इस काम को पूरे होने में लगभग छह महीने लगे। सीजी इस तरह से तैयार किया गया है कि दर्शक इसे पकड़ भी नहीं पाएंगे और फिल्म वास्तविक और प्राकृतिक लगेगी।''

जंग, चोट और बदलाव बॉर्डर 2 ने वरुण धवन के निजी जीवन पर डाला असर

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के लिए उनकी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' सिर्फ एक नई फिल्म नहीं, बल्कि उनके करियर और जीवन का एक बेहद खास अनुभव है। वरुण ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट की कई तस्वीरें साझा कीं और बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सीमाओं से आगे बढ़ना सिखाया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बदलने वाला रहा। वरुण ने अपने पोस्ट में लिखा, यह फिल्म मेरे लिए एक जंग जैसी रही, जिसने मुझे बेहतर इंसान और बेहतर कलाकार बनने में मदद की। फिल्म ने मुझे सीमाओं से आगे बढ़ना सिखाया। फिल्म की शूटिंग के दौरान चोटें आईं और निजी जीवन में भी कई बदलाव का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, मैंने अपनी पूरी ऊर्जा और मेहनत फिल्म में लगा दी। वरुण ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''मैं दर्शकों के सामने इस फिल्म को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं फिल्म का अपना पसंदीदा बैकग्राउंड म्यूजिक भी साझा कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि लोग ये फिल्म देखें।'''बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जे.पी. दत्ता की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। नई फिल्म भी उसी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इसे नए दौर की कहानी और भावनाओं के साथ पेश किया जा रहा है।फिल्म में सनी देओल एक बार फिर दमदार अंदाज में नजर आएंगे। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के क्रेज का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी एडवांस बुकिंग को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। माना जा रहा है कि यह फिल्म वीकेंड पर बड़ा रिकॉर्ड बना सकती है।

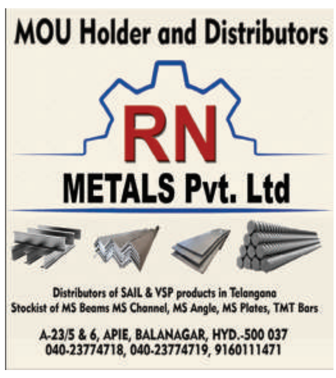

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-22

जाति-धर्म और मकान

अप्रैल से जनगणना का पहला चरण, पूछे जाएंगे 33 सवाल

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 की अधिसूचना जारी कर दी है। गुरुवार को जारी इस नोटिफिकेशन में कुल 33 सवालों की सूची शामिल की गई है, जिनमें मकान, परिवार, वाहन सहित अन्य बुनियादी जानकारियाँ शामिल हैं।

जनगणना के दौरान परिवार के सबसे वरिष्ठ सदस्य को संबंधित सूचनाएँ उपलब्ध करानी होंगी। जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, जनगणना का पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू होगा।

पहले चरण में मकानों की सूचीकरण और उससे जुड़ा डेटा एकत्र किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या की वास्तविक गणना की जाएगी।

भारत सरकार ने 2027 में होने वाली जनगणना के प्रथम चरणमकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए प्रश्नावली जारी कर दी है। इसमें हर घर, भवन और संस्थान का विवरण दर्ज किया जाएगा।

प्रश्नों में यह जानकारी शामिल होगी कि मकान पक्का या कच्चा है, उसमें पानी, बिजली, शौचालय जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं, तथा भवन आवासीय है या व्यावसायिक।

दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना के लिए प्रश्नावली बाद में जारी की जाएगी, जिसमें उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार, भाषा और धर्म से संबंधित सूचनाएँ दर्ज की जाएँगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 8 जनवरी को जानकारी दी थी कि देश में जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच आयोजित किया जाएगा। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को यह कार्य 30 दिनों के भीतर पूरा करना होगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि मकानों की सूचीकरण प्रक्रिया शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को स्वयं जानकारी भरने का अवसर दिया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, कोरोना महामारी के कारण जन-गणना को टालना पड़ा था, जो पहले 2021 में होनी थी, लेकिन अब इसे 2027 में पूरा किया जाएगा।

पूरी तरह डिजिटल होगी जनगणना

सरकार ने बताया है कि जन-गणना पूरी तरह पेपरलेस और डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के माध्यम से जानकारी एकत्र करेंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल-टाइम डेटा ट्रांसफर के ज़रिये आंकड़े जुटाए जाएंगे। यह एप एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी।

पहली बार जनगणना में शामिल होगी जाति

इस बार जनगणना में जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गणना शामिल की जा रही है। इससे पहले 1931 में जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह निर्णय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी की बैठक में लिया गया था।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जिसमें 51.5 प्रतिशत पुरुष और 48.5 प्रतिशत महिलाएँ थीं।

हाईकोर्ट का फैसला मंदिर है, मठ नहीं

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के. सरथ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में व्यवस्था दी है कि नामपल्ली स्थित 'श्री राम हनुमान संस्थान' एक मंदिर है, न कि मठ। अदालत ने बंदोबस्ती विभाग के उस आदेश को बरकरार रखा है जिसमें इस संस्थान को तेलंगाना धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थान एवं बंदोबस्ती अधिनियम के तहत 'मंदिर' के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

1989 की गजट अधिसूचना वैध, याचिकाकर्ता का दावा खारिज

न्यायाधीश ने सितंबर 1989 में जारी गजट अधिसूचना की वैधता को बरकरार रखते हुए याचिकाकर्ता की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें संस्थान को अधिनियम की धारा 6(डी) के तहत 'मठ' के रूप में पुनर्वर्गीकृत करने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता का तर्क था कि इसकी स्थापना एक 'महंत' ने की थी, यहाँ उत्तराधिकार की आध्यात्मिक परंपरा है और परिसर में 'समाधियाँ' मौजूद हैं, जो इसके मठ होने का प्रमाण हैं। हालांकि, अदालत ने मुंतखाब रिकॉर्ड (1345 फसली) और सरकारी दस्तावेजों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि इसे हमेशा 'हनुमान मंदिर' के रूप में ही दर्ज किया गया है।

महंत की नियुक्ति अवैध

प्रतिवादी के वकील बी. मांगीलाल नायक ने पुरजोर दलील दी कि याचिकाकर्ता मंदिर की संपत्ति पर कब्जा करने के इरादे से तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। अदालत ने माना कि बंदोबस्ती विभाग के सहायक आयुक्त के पास किसी मंदिर के लिए 'महंत' को मान्यता देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। न्यायाधीश ने 1995 की उन कार्यवाहियों को शून्य और अधिकार क्षेत्र से बाहर घोषित कर दिया, जिनके माध्यम से किसी को महंत के रूप में मान्यता दी गई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार संस्थान 'मंदिर' अधिसूचित हो जाए, तो वहां महंत की नियुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता।

याचिकाकर्ता पर 'अस्वच्छ हाथों' से आने का आरोप

अदालत ने एक और महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि एक भक्त अधिनियम के तहत ''हितबद्ध व्यक्ति'' की श्रेणी में आता है और उसे मंदिर में होने वाली अवैध नियुक्तियों को चुनौती देने का पूरा अधिकार है। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता की दलीलों में भौतिक विसंगतियों को नोट किया और कहा कि याचिकाकर्ता ''अस्वच्छ हाथों'' के साथ अदालत आए हैं, अर्थात उन्होंने तथ्य छिपाए हैं। इसी के साथ अदालत ने रिट याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया।

डोडा सड़क हादसे में सेना के 10 जवानों की मौत

जम्मू, 22 जनवरी (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से 10 जवानों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए।

यहां अधिकारियों ने बताया कि सेना का कैस्पर वाहन भद्रवाह-चंबा सड़क पर थानाला के ऊपरी इलाके खन्नीटॉप के पास फिसलन भरी सड़क के कारण करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गया। यह टीम एक टीम ऑपरेशन के लिए जा रही थी। यह हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों ने दुर्गम क्षेत्र में कई घंटों तक बचाव अभियान चलाया। जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन में सेना के कुल 21 जवान सवार थे, जिनमें से 10 की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 10 जवानों को उधमपुर के कमांड अस्पताल में तत्काल उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल एक जवान का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेगा। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायल जवानों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस हृदय विदारक त्रासदी पर गहरा दुख प्रकट किया है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने बहादुर सैनिकों के बलिदान पर गर्व है और पूरा देश शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने इस घटना को पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी त्रासदी बताते हुए प्रशासन को घायलों के उपचार में कोई कसर न छोड़ने के निर्देश दिए।

तेलंगाना राइजिंग 2047 को वैश्विक समर्थन

दावोस/हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है। दावोस में आयोजित डब्ल्यूईएफ 2026 के दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और डब्ल्यूईएफ के प्रबंध निदेशक जेरेमी जर्गेंस के बीच हुई बैठक में यह महत्वपूर्ण आश्वासन दिया गया। मुख्यमंत्री ने राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का रोडमैप पेश किया।

हैदराबाद में 'मिड-ईयर' डब्ल्यूईएफ फोरम का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक अनूठा प्रस्ताव रखते हुए कहा कि हर साल जुलाई या अगस्त में हैदराबाद में एक 'फॉलो-अप फोरम' आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि वैश्विक व्यापार चक्रों की तेज गति को देखते हुए, दो मुख्य कार्यक्रमों के बीच एक साल का अंतराल बहुत लंबा होता है।

तेलंगाना ने इस आयोजन के लिए रणनीतिक साझेदार बनने की पेशकश की है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक निवेशकों के लिए ''देखना ही विश्वास करना है'' और हैदराबाद अपनी क्षमताओं का सीधा प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

सी4आईआर तेलंगाना: स्वास्थ्य और नवाचार का वैश्विक रोल मॉडल

बैठक में 'सी4आईआर तेलंगाना' (चौथी औद्योगिक क्रांति केंद्र) की प्रगति पर भी चर्चा हुई, जो भारत में स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान पर केंद्रित डब्ल्यूईएफ का पहला केंद्र है। जेरेमी जर्गेंस ने इसे भारत में डब्ल्यूईएफ के जुड़ाव के लिए एक सकारात्मक रोल मॉडल बताया। उन्होंने हैदराबाद के मजबूत टैलेंट बेस की सराहना की और औद्योगिक क्लस्टर योजना पर अपने शोध और ज्ञान को साझा करने का प्रस्ताव दिया ताकि साक्ष्य-आधारित विकास रणनीतियों को समर्थन मिल सके।

'भारत फ्यूचर सिटी' और नेट-जीरो विकास पर जोर

आईटी मंत्री डी. श्रधर बाबू ने राज्य की ''क्युर, प्युर, रेर'' आर्थिक रणनीति और 'भारत फ्यूचर सिटी' परियोजना के बारे में विस्तार से बताया। यह एक 'नेट-जीरो' ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी है, जो भारत में सतत शहरी विकास का मॉडल बनेगी।

प्रतिनिधिमंडल ने एयरोस्पेस, रक्षा, बायो-डिजाइन और फार्मास्यूटिकल्स में हैदराबाद की ताकत को रेखांकित किया।

साथ ही, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास को भविष्य की प्राथमिकता बताया।

कुर्सी के लिए भाजपा-कांग्रेस-मजलिस एक साथ

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र की राजनीति से एक बार फिर चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। शीर्ष नेतृत्व की नाराजगी के बावजूद बीजेपी, कांग्रेस और एआईएमआईएम ने अमरावती जिले की अचलपुर नगर परिषद में विभिन्न समितियों के अध्यक्षों का निर्विरोध चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही बीजेपी ने अकोट और अंबरनाथ के स्थानीय निकायों में भी अलग-अलग दलों के साथ गठजोड़ किया था।

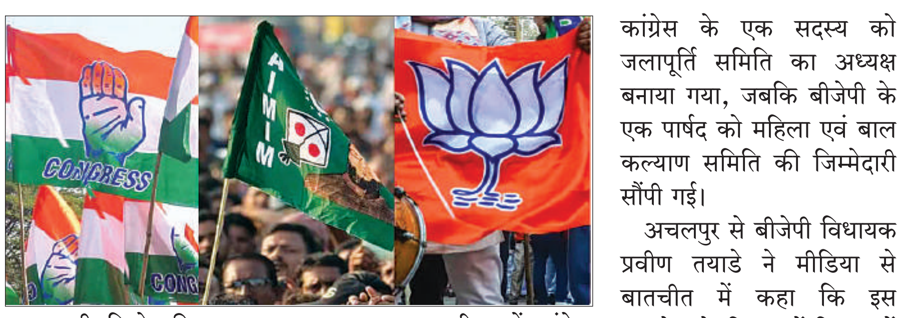

हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में 41 सदस्यीय अचलपुर नगर परिषद में कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। वहीं बीजेपी को 9 सीटें, एआईएमआईएम को 3 सीटें, निर्दलीयों को 10 सीटें, प्रहार जनशक्ति पार्टी को 2 सीटें और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को भी 2 सीटें मिली थीं।

तीनों दलों के बीच हुए इस तालमेल के बाद एआईएमआईएम के एक पार्षद को शिक्षा एवं खेल समिति का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। वहीं कांग्रेस के एक सदस्य को जलापूर्ति समिति का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि बीजेपी के एक पार्षद को महिला एवं बाल कल्याण समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अचलपुर से बीजेपी विधायक प्रवीण तयाडे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस तालमेल के लिए उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि स्थानीय निकाय चुनावों में उन्हें केवल वार्ड नंबर एक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

बीजेपी और एआईएमआईएम के बीच तालमेल को लेकर पूछे गए सवाल पर तयाडे ने कहा, मैं हिंदुत्व विचारधारा वाला विधायक हूं और हमारी पार्टी भी हिंदुत्व की विचारधारा पर काम करती है, इसलिए मैं ऐसा कभी नहीं कर सकता। हालांकि, इस मामले में पार्टी के वरिष्ठ नेता जो भी निर्णय लेंगे, हम उसे स्वीकार करेंगे।

अकोट और अंबरनाथ में भी दिख चुका है ऐसा गठजोड़

गौरतलब है कि इससे पहले भी राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के बाद अकोला जिले की अकोट नगर परिषद में बीजेपी ने एआईएमआईएम के साथ गठजोड़ किया था, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की फटकार के बाद यह गठबंधन खत्म कर दिया गया था।

वहीं अंबरनाथ नगर परिषद में शिवसेना को सत्ता से दूर रखने के लिए बीजेपी और कांग्रेस ने हाथ मिलाया था। इस कदम के बाद कांग्रेस ने अपने 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया था, हालांकि बाद में वे सभी बीजेपी में शामिल हो गए।

कार्टून कॉर्नर

बसंत पंचमी पर भोजशाला में पूजा भी और नमाज़ भी

धार, 22 जनवरी (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्यप्रदेश के धार जिले स्थित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। अदालत ने 23 जनवरी, शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां सरस्वती (वाग्देवी) की पूजा की पूरी अनुमति दी है, जबकि मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमे की नमाज़ अदा करने की छूट प्रदान की गई है।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।अदालत ने तय किया कि नमाज के लिए मंदिर क्षेत्र में ही विशेष स्थान निर्धारित किया जाएगा. वसंत पंचमी की पूजा और मुस्लिमों की जुमे की नमाज के लिए विशेष पास जारी किया जाएगा.वसंत पंचमी की पूजा के लिए भी खास जगह तय की जाएगी। हालांकि भोजशाला में बसंत पंचमी ऋपूजा के लिए कोई समयसीमा नहीं रखी गई है. इससे पहले हिन्दू और मुस्लिम पक्ष की ओर से दलीलें रखी गईं। हिन्दू पक्ष की याचिका में 23 जनवरी शुक्रवार को वसंत पंचमी के दिन मुस्लिमों को नमाज से रोकने की मांग की थी। साथ ही केवल हिंदू पक्ष को मां सरस्वती की पूजा देने की आदेश देने की मांग की गई थी। हिंदू पक्ष की तरफ से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलीलें रखीं तो मुस्लिम पक्ष से सलमान खुर्शीद कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट के सामने मामला था कि क्या वसंत पंचमी पर भोजशाला परिसर में दोनों पक्षों को हिन्दुओं को पूजा और मुस्लिमों को जुमे की नमाज का अधिकार दिया जाए या नहीं।

संपादकीय

साबित करें, शंकराचार्य हैं

यदि सनातन का राग अलापने वालों की सरकार में, सनातन के शिरोमणि शंकराचार्य को अपमानित किया गया है, तो सनातन कैसे सुरक्षित और सम्मानित माना जा सकता है? हम सीधे प्रधानमंत्री मोदी या उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सवालों के कटघरे में खड़ा नहीं कर रहे हैं, लेकिन क्या उप्र का औसत प्रशासन इतना खुदमुख्तार हो गया है कि उसने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य को नोटिस भेजकर कहा है कि आप साबित करें, आप शंकराचार्य हैं! क्या देश की सत्ताएं, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री अथवा राजनीतिक नेतृत्व अब तय करेंगे कि शंकराचार्य कौन होगा या किसे शंकराचार्य के पद से खारिज किया जाए? मुद्दा बेहद सामान्य है, लेकिन उप्र के प्रशासन और पुलिस ने उसे 'राई का पहाड़' बना दिया है। इससे पहले प्रयागराज संगम पर महाकुंभ का आयोजन भी किया गया था, जिसमें दुनिया भर से करीब 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आकर मां गंगा के संगम में स्नान किया, लेकिन प्रोटोकॉल के नाम पर कोई बखेड़ा नहीं हुआ। शंकराचार्य सनातन धर्म के सर्वोच्च संतों में गिने जाते हैं। वे 8वीं सदी के आदि शंकराचार्य की परंपरा ही माने जाते रहे हैं। आदि शंकराचार्य महान भारतीय दार्शनिक और धर्मगुरु थे, जिन्होंने अद्वैत दर्शन को स्थापित किया। हिंदू धर्म को एकीकृत किया और भारत के चार कोनों में चार मठ स्थापित किए। उन्हें पीठ भी कहा जाता है। शंकराचार्य को ईश्वर के बाद सर्वोच्च स्थान और दर्जा भी दिया गया है। बौना-सा सरकारी प्रशासन कौन होता है किसी शंकराचार्य पर सवाल करने और नोटिस भेजने वाला? 'ज्योतिर्मठ' के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अभिषेक उनके धर्मगुरु, द्वारका और शारदा पीठों के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने किया था। हालांकि उन्होंने अपने जीवन-काल में अविमुक्तेश्वरानंद को, शंकराचार्य के तौर पर, उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया था, लिहाजा मामला सर्वोच्च अदालत में है और अदालत ने फिलहाल किसी अन्य को पदासीन करने पर रोक लगा रखी है। यथास्थिति के मद्देनजर अविमुक्तेश्वरानंद ही शंकराचार्य माने जाते रहे हैं। इस कांड से पहले तक सनातन के जुमलेबाजों को भी आपत्ति नहीं थी। शंकराचार्य की श्रृंखला में स्वामी निश्चलानंद सरस्वती 'गोवर्धन मठ, पुरी', स्वामी भारती तीर्थ 'श्रृंगेरी पीठ' और स्वामी सदानंद 'द्वारका पीठ' के घोषित और पदासीन शंकराचार्य हैं। क्या कोई प्रशासन अथवा सरकार इन शंकराचार्यों को नोटिस भेज कर साबित करने का आदेश दे सकती है? यदि धर्म, साधु-संतों, परंपराओं को अपमानित करना है, तो सरकारें कुछ भी कर सकती हैं। वे औसत माता-पिता को नोटिस भेजकर सबूत मांग सकती हैं कि वे ही अमुक बच्चे के जैविक जन्मदाता हैं। संविधान की आड़ में प्रशासन, सरकारों को कई उच्छृंखलताओं के विशेषाधिकार प्राप्त हैं।

सनातन के शिरोमणि शंकराचार्य को अपमानित किया गया है, तो सनातन कैसे सुरक्षित और सम्मानित माना जा सकता है? हम सीधे प्रधानमंत्री मोदी या उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सवालों के कटघरे में खड़ा नहीं कर रहे हैं, लेकिन क्या उप्र का औसत प्रशासन इतना खुदमुख्तार हो गया है कि उसने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य को नोटिस भेजकर कहा है कि आप साबित करें, आप शंकराचार्य हैं! क्या देश की सत्ताएं, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री अथवा राजनीतिक नेतृत्व अब तय करेंगे कि शंकराचार्य कौन होगा या किसे शंकराचार्य के पद से खारिज किया जाए? मुद्दा बेहद सामान्य है, लेकिन उप्र के प्रशासन और पुलिस ने उसे 'राई का पहाड़' बना दिया है। इससे पहले प्रयागराज संगम पर महाकुंभ का आयोजन भी किया गया था, जिसमें दुनिया भर से करीब 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आकर मां गंगा के संगम में स्नान किया, लेकिन प्रोटोकॉल के नाम पर कोई बखेड़ा नहीं हुआ। शंकराचार्य सनातन धर्म के सर्वोच्च संतों में गिने जाते हैं। वे 8वीं सदी के आदि शंकराचार्य की परंपरा ही माने जाते रहे हैं। आदि शंकराचार्य महान भारतीय दार्शनिक और धर्मगुरु थे, जिन्होंने अद्वैत दर्शन को स्थापित किया।

हम भी मानते हैं कि ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य का मामला विवादित है और अदालत के विचाराधीन है, लेकिन साधु-संतों, धार्मिक संस्थाओं, धार्मिक अखाड़ों और श्रद्धालुओं के एक वर्ग को उनके शंकराचार्य होने पर आपत्ति नहीं है, तो उप्र प्रशासन की औकात क्या है? क्या शंकराचार्य नियुक्त करने या बेदखल करने का अधिकार भी संविधान में है? हमें सर्वोच्च अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करनी चाहिए। मुद्दा यह था कि शंकराचार्य माघ मेले का संगम में स्नान करने जा रहे थे। वह अपनी परंपरागत पालकी और रथ पर सवार थे और शिष्यों का काफिला भी उनके साथ था। मेला क्षेत्र, प्राधिकरण के बड़े अफसर, शीर्ष पुलिस अधिकारी शंकराचार्य को संगम क्षेत्र में आने से पूर्व ही व्यवस्था को 'ब्रीफ' कर सकते थे। यह प्रोटोकॉल और शंकराचार्य होने के सबूत के सवाल कहां से उठे? आखिर पवित्र संगम स्थल के करीब ही धक्कामुक्की की नौबत क्यों आई? शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को वहीं जमीन पर धरना क्यों देना पड़ा? शंकराचार्य के दुस्साहस और हठधर्मिता सरीखे शब्दों का इस्तेमाल क्यों करना पड़ा? इन्हीं शंकराचार्य को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के समारोह में क्यों आमंत्रित किया गया था? वह सरकार के आलोचक रहे हैं और गौ रक्षा के पैरोकार हैं, उनके बनारस में 150 मंदिर तोड़े जाने के आरोप भी बेहद संवेदनशील और गंभीर हैं, क्या ऐसे ही कारणों के मद्देनजर भाजपा सरकार के अघोषित, अदृश्य आदेशों के तहत शंकराचार्य को नोटिस भेजा गया? योगी सरकार को भी इन सवालों के सार्वजनिक जवाब देने होंगे, क्योंकि यह मुद्दा 'राजनीतिक द्वन्द्व' का बन गया है।

दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है—जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्ज़रलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था।

पुरानी कहावत है—जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है।

शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है।

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास,

सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था। इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है।

क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी की 110वीं जयंती पर विशेष

हैदराबाद निज़ाम मुक्ति संग्राम के सशस्त्र क्रांति प्रणेता को शत-शत नमन

ओउम् अस्माकमिन्द्रः समृतेषु ध्वजेष्वस्माकं या इषवस्ता जयन्तु।
अस्माकं वीरा उत्तरे भवन्त्वस्मां उ देवा अवता हवेषु।। -सामवेद

जो जाति और समाज अपने पूर्वजों को भुला देता है, वह धर्मपथ से च्युत होने के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है। मनुष्य स्वभाव से अनुकरणशील प्राणी है। जब वह अपने महापुरुषों के त्याग, तप और बलिदान को स्मरण करता है, तो स्वयं भी उसी पथ पर चलने के लिए प्रेरित होता है। जिस समाज के हृदय-पटल पर अपने युगपुरुषों के यशस्वी सुकृत्य अंकित रहते हैं, वही समाज उत्तरोत्तर उन्नति करता है। इसके विपरीत, जो समाज अपने हुतात्माओं को विस्मृत कर देता है, वह अंततः आदर्शहीन होकर अपना इतिहास, गौरव, ज्ञान और सत्तासब कुछ खो बैठता है।

इसी भावना के साथ हम उन क्रांतिकारियों और हुतात्माओं का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने हैदराबाद निज़ाम शासन के दौरान हिंदुओं, महिलाओं, मंदिरों और मठों पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध प्राणों की बाज़ी लगाकर सशस्त्र क्रांति का बिगुल फूंका। आर्य सत्याग्रह को सफल बनाया और अपने प्राणों की आहुति देकर इतिहास रच दिया। ऐसे ही महान क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी की 110वीं जयंती (वसंत पंचमी) के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए यह स्मरण लेख प्रस्तुत है।

त्यागजीवन का अमृत रस

त्याग ही जीवन का रस है। त्याग से जीवन बनता है, बढ़ता है और उज्ज्वल होता है। त्यागमय जीवन ही नए जीवनों को जन्म देता है। वे नर-नारी धन्य हैं जो परिवार, जाति, देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए आत्म-त्याग करते हैं। इस मिट्टी के शरीर को कुंदन बनाना हो तो त्याग की भावना को अपनाना ही होगा। ऐसे महापुरुषों का त्याग सदैव समाज में नवजीवन का संचार करता रहेगा।

निज़ाम शासन का अत्याचार और सशस्त्र प्रतिकार

हैदराबाद निज़ाम शासन ने वर्ष 1938 में हिंदुओं पर अत्याचारों की सभी सीमाएँ लांघ दीं। नागरिक, धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए धर्मयुद्ध अनिवार्य हो गया। इसी काल में आर्यसमाज के युवा और निर्भीक क्रांतिकारी नेता पंडित गंगाराम वानप्रस्थी ने पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील के साथ मिलकर आर्यन डिफेंस लीग (आर्य रक्षा समिति) की स्थापना की। इस संगठन में तत्कालीन प्रमुख साथियों में सर्वश्री राजपाल, प्रतापनारायण, ए. बाल रेड्डी, सोहनलाल, विश्वनाथ आदि सम्मिलित थे।

मौज़मजाही मार्केट के निकट पहले बम विस्फोट के साथ ही तत्कालीन शासक मीर उस्मान अली के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति की गूंज सुनाई दी। उस दिन लगातार तीन बम विस्फोट हुए। इस बमकांड में पंडित गंगाराम को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया गया। निज़ाम सरकार की पुलिस द्वारा ढाए गए अमानवीय अत्याचार सर्वविदित हैं। इसके पश्चात चकोरिया कांड तथा प्रताप सिंह बम कांड में भी उनकी पुनः गिरफ्तारी हुई। इस प्रकार निज़ाम की जेलों में उनका आना-जाना निरंतर बना रहा।

आर्य सत्याग्रह का ऐतिहासिक विस्तार

आर्यन डिफेंस लीग ने हैदराबाद निज़ाम रियासत में राज्यस्तरीय सत्याग्रह आरंभ किया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा इस संघर्ष में पूर्ण रूप से उतरने से पूर्व स्थिति का आकलन करना चाहती थी, किंतु पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील का स्पष्ट कथन था

भाई, तुम सोचते रहो, हम तो सत्याग्रह शुरू कर देते हैं।

पहले आर्य सत्याग्रह जत्थे में पंडित देवीलाल और पंडित

पंडित गंगाराम वानप्रस्थी

हैदराबाद निज़ाम शासन ने वर्ष 1938 में हिंदुओं पर अत्याचारों की सभी सीमाएँ लांघ दीं। नागरिक, धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए धर्मयुद्ध अनिवार्य हो गया। इसी काल में आर्यसमाज के युवा और निर्भीक क्रांतिकारी नेता पंडित गंगाराम वानप्रस्थी ने पंडित दत्तात्रेय प्रसाद वकील के साथ मिलकर आर्यन डिफेंस लीग (आर्य रक्षा समिति) की स्थापना की। इस संगठन में तत्कालीन प्रमुख साथियों में सर्वश्री राजपाल, प्रतापनारायण, ए. बाल रेड्डी, सोहनलाल, विश्वनाथ आदि सम्मिलित थे।

मुन्नालाल (हैदराबाद) सम्मिलित थे। आर्यन डिफेंस लीग के नेतृत्व में लगभग 22 सत्याग्रही जत्थे जेलों में गए। इन जत्थों के प्रमुख अधिनायकों में सर्वश्री देवीलाल आर्य, सी. नरहरि, दत्तात्रेय प्रसाद वकील, शेषराव वाघमारे, दिगंबरराव शिवनगीकर, शंकरराव पटेल, शंकर देव कापसे, निवर्ति रेड्डी, गणपतराव कथले, पंडित बंसीलाल व्यास, एडवोकेट दिगंबरराव लाठकर, श्रीराम चौधरी आदि प्रमुख थे। हैदराबाद निज़ाम रियासत के लगभग पाँच हजार सत्याग्रहियों ने इस आंदोलन में भाग लिया।

अखिल भारतीय समर्थन और वीर सावरकर का उद्बोधन

1938 में सोलापुर में लोकनायक श्री अणे की अध्यक्षता में आयोजित आर्य महासम्मेलन में हैदराबाद सत्याग्रह को अखिल भारतीय स्वरूप देने का निर्णय लिया गया।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा का नेतृत्व श्री घनश्याम सिंह गुप्त और श्री लाला देशबंधु गुप्त कर रहे थे। गांधीजी के सुझाव पर विचार हुआ कि आंदोलन कांग्रेस के अंतर्गत चले, किंतु जब वीर सावरकर जी की राय ली गई तो उनके ओजस्वी वक्तव्य ने वातावरण ही बदल दिया। इसके बाद सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आर्य सत्याग्रह को और अधिक तीव्र किया जाएगा, और समस्त भारत तथा विश्वभर से आर्यसमाज का समर्थन प्राप्त होगा।

सत्याग्रह की सफलता और पंडित गंगाराम की भूमिका

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने स्वामी स्वतंत्रतानंद जी महाराज को फील्ड मार्शल नियुक्त किया। महात्मा नारायणस्वामी जी प्रथम सर्वाधिकारी बने। देश-विदेश से आए जत्थों के संचालन में पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं पत्रकार पं. क्षितिज कुमार विद्यालंकर ने अपनी पुस्तक 'निज़ाम की जेल में' में पंडित गंगाराम की असाधारण सूझबूझ, साहस और संगठन क्षमता का विस्तार से वर्णन किया है।

इतिहास साक्षी है कि उन्होंने निज़ाम की क्रूर सरकार से बचते हुए, सत्याग्रहियों की भर्ती और संचालन का अत्यंत कठिन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया।

बलिदान की अमर गाथा

इस अभूतपूर्व सत्याग्रह में अनेक वीरों ने बलिदान दिया। बच्चों, युवाओं और वृद्ध संन्यासियों तक ने धर्मरक्षा हेतु अपने प्राण न्योछावर कर दिए। आर्यसमाज के साधु, विद्वान, गृहस्थ और गुरुकुलों के ब्रह्मचारी जेल जाने और कष्ट सहने में प्रतिस्पर्धा करते दिखे। कवि की पंक्तियाँ उस काल को सजीव कर देती हैं

तेरे दीवाने जिस घड़ी दक्षिण दिशा को चल दिए,
हैरत में लोग रह गए, दुनिया का दिल दहला दिया।

श्रद्धांजलि और संकल्प

आज तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र की इस पावन भूमि पर हम उन सभी हुतात्माओं को नमन करते हैं, जिनके बलिदानों से हम स्वतंत्र जीवन जी पा रहे हैं। सशस्त्र क्रांति के प्रणेता क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी को शत-शत नमन।

हम उनका पुण्य स्मरण कर सकते हैं, उनके गुणों का कीर्तन कर सकते हैं और उनके पगचिह्नों पर चलने का संकल्प ले सकते हैं। ईश्वर देश और समाज को शक्ति दे कि पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जैसे सैकड़ों कर्मवीर, समाजसेवी और धर्मनिष्ठ जन आगे आएँतभी उनका स्मरण सार्थक होगा।

-भक्त राम
अध्यक्ष, स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद.

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा– इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जी–वनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमें झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए । अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना–फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने–चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 जनवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 01:48 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा दोपहर 02:33 तक
योग : परिघ सायं 03:58 तक
करण : बव दोपहर 02:12 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रातः 08:34 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:06 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वसन्त पंचमी ,
सरस्वती जयंती , नेताजी जयंती, पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा को खेल, युवा शक्ति और नवाचार का केंद्र बनाने का राज्य सरकार का है संकल्प : नायब सैनी

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में खिलाड़ियों, युवा कंटेंट क्रिएटर्स, स्किल उद्यमियों एवं स्टार्टअप से जुड़े युवाओं के साथ आयोजित बजट–पूर्व परामर्श बैठक में संवाद किया। उन्होंने नववर्ष एवं आगामी बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बैठक हरियाणा के भविष्य को गढ़ने की एक साझा प्रक्रिया है, जिसमें युवाओं की भूमिका निर्णायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की पहचान देश–विदेश में बनाने में युवाओं और खिलाड़ियों का अतुलनीय योगदान रहा है। ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर राज्य को खेलों का पावर हाउस सिद्ध किया है। शैफाली वर्मा, नीरज चोपड़ा, नीरज गोयत, रानी रामपाल और फोगाट बहनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां युवाओं की संकल्प शक्ति, अनुशासन और कठोर परिश्रम का परिणाम हैं। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा तथा हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का हरियाणा का युवा केवल खेलों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्टार्ट–अप, नवाचार, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन, स्किल डेवलपमेंट, शिक्षा और आधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में भी नई पहचान बना रहा है। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज का कंटेंट समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम है। कंटेंट केवल वायरल न हो, बल्कि सकारात्मक, मूल्य–आधारित और राष्ट्र व समाज को दिशा देने वाला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई डिजिटल तकनीकें अवसर बढ़ा रही हैं, लेकिन चरित्र और विज़न तकनीक से भी बड़े तत्व हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि खेल, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के लिए वर्ष 2025–26 के बजट में 1,961 करोड़ 79 लाख रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसमें से अब तक 1,096 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कुरुक्षेत्र में आयोजित बजट–पूर्व बैठक में प्राप्त 73 सुझावों में से 32 सुझावों को बजट 2025–26 में शामिल किया गया, जो युवाओं की भागीदारी का सशक्त प्रमाण है।

मिशन ओलंपिक 2036 से लेकर स्किल सेंटर तक – युवाओं के सुझावों पर फैसले

मुख्यमंत्री ने बताया कि मिशन ओलंपिक 2036 विजयीभव योजना, खिलाड़ियों के लिए 20 लाख रुपये तक का मेडिकल बीमा कवर, नई खेल नर्सरियों की स्थापना, छात्रवृत्ति में वृद्धि, खेल स्टेडियमों की जी.आई.एस. मैपिंग, पी.पी.पी. मोड पर उत्कृष्टता केंद्र, आधुनिक आई.टी.आई., कौशल केंद्र और करियर काउंसलिंग जैसी अनेक पहले युवाओं के सुझावों का ही परिणाम हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 16 हजार से अधिक पदक विजेता खिलाड़ियों को 683 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए हैं तथा 231 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतर शिक्षा और शोध को सशक्त बनाने के लिए 20 करोड़ रुपये का हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष बनाया गया है।

हर घर योग, हर घर संस्कार से ही बनेगा विकसित भारत 2047 : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हर घर में योग हो, हर घर में योगशाला हो, हर घर में संस्कार हो और हर घर में संस्कारशाला हो, तभी हम सभी मिलकर भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सार्थक योगदान दे सकते हैं। विधान सभा अध्यक्ष वीरवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा विधान सभा में आयोजित राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य के नेतृत्व में आयोग की टीम ने विधान सभा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। इस दौरान खिलाड़ियों द्वारा योगासनों का प्रदर्शन भी किया। मीडिया अधिकारी दिनेश कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करने के साथ–साथ योग का प्रदर्शन किया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और आत्मा को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन को योग से जोड़ना चाहिए ताकि वह स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जी सके। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अगली पीढ़ी को हमारे महापुरुषों के विचारों, आदर्शों और राष्ट्रभक्ति की भावना से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

एचपीएससी की 35 प्रतिशत कट ऑफ क्राइटेरिया नीति से युवाओं के भविष्य पर संकट : सैलजा

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा भर्तियों में लागू की गई 35 प्रतिशत न्यूनतम अंक की नीति से युवाओं का भविष्य अंधकार में हो रहा है। प्रदेश में यह युवा विरोधी नीति कतई बर्दाश्त नहीं होगी। कुमारी सैलजा आज एचपीएससी की इस नीति के खिलाफ पंचकूला में चल रहे धरने में पहुंची और अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि वे इस नीति के खिलाफ धरने का पूरा समर्थन करती रहेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व सांसद कुमारी सैलजा ने इस नीति को हरियाणा के युवाओं के साथ अन्याय बताते हुए कहा है कि यह व्यवस्था चयन की नहीं बल्कि योग्य अभ्यर्थियों को बाहर करने का साधन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इस नीति के कारण हजारों पद खाली पड़े हैं और योग्य युवा बेरोजगारी झेलने को मजबूर हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि इसका मुख्यमंत्री से जवाब मांगा जाएगा, साथ ही कहा कि अभ्यर्थियों को जब तक न्याय नहीं मिलता कांग्रेस पार्टी के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि आज सरकारी संस्थान बंद किया जा रहे हैं जिससे खास तौर पर अनुसूचित जाति के पदों पर डाका डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध आंकड़े साफ बताते हैं कि अनेक विषयों में पात्र और योग्य उम्मीदवार मौजूद होने के बावजूद नियुक्तियां नहीं की जा रहीं। सैकड़ों, हजारों पद स्वीकृत होने के बाद भी गिनती के लोगों का चयन हुआ है, जिससे शिक्षा व्यवस्था और प्रशासन दोनों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पद हैं, उम्मीदवार हैं और जरूरत भी है, तो फिर भर्तियां क्यों रोकी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 35 प्रतिशत न्यूनतम अंकों की यह बाध्यता सबसे ज्यादा आरक्षित वर्गों को नुकसान पहुंचा रही है। पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अंतर्गत बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। सरकार युवाओं के साथ धोखा कर रही है और नौकरियों में आरक्षण को समाप्त करने का कुत्सित प्रयास कर रही है ।

अंबाला कैंट के बैंक स्क्वेयर में दूसरे चरण के निर्माण को मिली रफ्तार, टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया शुरू : अनिल विज

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया कि अम्बाला छावनी में निर्माणाधीन बैंक स्क्वेयर भवन में द्वितीय चरण के निर्माण के कार्य के लिए टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोशन द्वारा शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, नगर परिषद अम्बाला सदर द्वारा बन चुके 55 शोरूम में बैंकों को शिफ्ट करने के लिए ऑक्शन प्रक्रिया को भी शुरू कर दिया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा बैंक स्क्वेयर के द्वितीय चरण निर्माण हेतु 64.47 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। वहीं, बैंक स्क्वेयर में पहले चरण का निर्माण कार्य अब अंतिम चरणों में है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी के बैंकों को एक ही छत के नीचे लाने के लिए प्रारंभ की गई बैंक स्क्वेयर परियोजना एक मील का पत्थर साबित होगी। यहां लगभग 32 बैंकों को एक ही छत के नीचे शिफ्ट करने की योजना है। पहले चरण में बने 55 शोरूम में बैंकों को शिफ्ट करने के लिए नगर परिषद द्वारा ऑक्शन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है जिसके तहत जल्द यहां बैंकों को शिफ्ट किया जा सके।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि बैंक स्क्वेयर में द्वितीय चरण के तहत पिछली तरफ बनने वाली चार मंजिला बिल्डिंग में 45 शोरूम बनाए जाएंगे। इसके अलावा, यहां पर कार्यक्रम व कांफ्रेंस आदि आयोजित करने के लिए 450 लोगों की क्षमता का ऑडिटोरियम बनेगा। इसके अतिरिक्त रूफ टॉप पर फूट कोर्ट बनाएं जाएंगे जहां लोग खाने–पीने का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के लिए टेंडर अलॉट करने की प्रक्रिया को प्रारंभ कर दिया गया है।

गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज के प्रयासों से 3.97 एकड़ में बैंक स्क्वेयर कम शापिंग मॉल भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पहले चरण के कार्य के तहत लगभग 111 करोड़ रुपए की लागत से आगे बन रहे तीन मंजिला भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पहले और दूसरे चरण में कुल 100 शोरूम का निर्माण हो रहा है।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय का 18 वां दीक्षांत समारोह आयोजित

कोट, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि शिक्षा की सार्थकता तभी है जब इसका उपयोग राष्ट्र के उत्थान और व्यक्ति निर्माण के लिए हो। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के 18 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री बागडे ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 75 हजार 925 उपाधियों सहित तीन पीएचडी उपाधियों से विद्यार्थियों को विभूषित किया। राज्यपाल ने दीक्षित विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे प्राप्त की गई डिग्री और ज्ञान का उपयोग अपनी बौद्धिक क्षमताओं के विस्तार और प्रतिभाओं के निखार में करते हुए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहें। उन्होंने देव– दानव संस्कृति का दृष्टांत देते हुए आह्वान किया कि वे एक दूसरे के साहचर्य से आगे बढ़ाने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करें। भारत को विश्वगुरु की पद प्रतिष्ठा दिलाने में भागीदार बनें। तैत्तिरीय उपनिषद, श्रीमद्भगवत गीता और स्वामी विवेकानंद एवं महर्षि अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कुलाधिपति ने गुरु–शिष्य संबंधों की व्याख्या की और कहा कि ज्ञान प्राप्ति में गुरु और ज्ञान के प्रति श्रद्धा और समर्पण भाव भी ज्ञान अर्जन जितना महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने शिक्षक की भूमिका को भी रेखांकित किया और कहा कि विद्यार्थी के लिए जिस प्रकार शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है, उसी प्रकार शिक्षक के लिए भी निरंतर अध्ययन, ज्ञान अर्जन अत्यंत आवश्यक है। शिक्षक को चाहिए कि वे अपने शिष्यों के साथ संतानवत् भाव रखें।

आरबीएम अस्पताल के विस्तारिकरण के लिये आवंटित भूमि को रखा जाये यथावत : डॉ. गर्ग

भरतपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा को आरबीएम चिकित्सालय के विस्तार के लिये वर्ष 2021 में स्कीम संख्या–10 में आवंटित आरक्षित 25,000 वर्गमीटर भूमि को आरबीएम अस्पताल के लिये आवंटित भूमि को आरक्षित रखने और बीडीए द्वारा अन्य उपयोग में नहीं लिये जाने की के लिये लिखा पत्र।डॉ. सुभाष गर्ग ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बताया कि नगर विकास न्यास द्वारा स्कीम संख्या 10 में वर्ष 2021 में 25000 वर्गमीटर भूमि आरबीएम चिकित्सालय के ट्रोमा सेंटर, डॉक्टर, नर्सिंग, पैरामेडीकल कर्मचारियों के आवास निर्माण एवं अन्य चिकित्सीय सुविधाओं के लिये आवंटित की थी, लेकिन एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर से पता चला है कि इस भूमि को भरतपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किसी अन्य उपयोग के लिये लेने की कार्यवाही की संभावना की जा रही है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जवाहर कला केन्द्र में आज राज्य स्तरीय चित्रकला कार्यशाला

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 को जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में राज्य स्तरीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।यह कार्यशाला प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक जवाहर कला केन्द्र के ओपन एयर थिएटर में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न वर्गों के युवा कलाकारों को मतदान के महत्व, लोकतंत्र की मजबूती एवं नागरिक सहभागिता जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना एवं उन्हें जिम्मेदार मतदाता के रूप में प्रेरित करना है। चित्रकला कार्यशाला इसी दिशा में एक रचनात्मक पहल है, जिससे युवा पीढ़ी कला के माध्यम से लोकतांत्रिक चेतना को अभिव्यक्त कर सकेगी।

किसान सशक्त होता है तो गांव, प्रदेश और देश प्रगति करता है : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने किसान, महिला और श्रमिकों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये की दी सौगात

सिरोही, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा है। जब किसान सशक्त होता है तो गांव, प्रदेश और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि हम संकल्प पत्र में किए गए वादों को लगातार पूरा कर रहे हैं तथा हमारी सरकार किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी (बसंत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्कल पर ग्राम उत्थान शिविरों को आयोजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों एवं पशुपालकों से इन शिविरों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। शर्मा गुरूवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन दो वर्ष पहले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत एवं दशकों से लंबित मांग को पूरा कर अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की गई थी। साथ ही, आज ही के दिन प्रधानमंत्री ने हरियाणा के पानीपत से महिला उत्थान एवं महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' का अभियान शुरू किया था। राज्य के हर गिरदावर सर्किल पर 23 जनवरी से लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गरीब, महिला, युवा और किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। आमजन तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 'ग्राम उत्थान शिविर शुरू किये जा रहे हैं। इन शिविरों में तारबंदी, डिग्गी, पाइप लाइन, फार्म पौंड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप जैसी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृतियां दी जाएंगी। साथ ही, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के तहत मिले आवेदनों का निस्तारण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में सोलर पंप, किसान क्रेडिट कार्ड, नए कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए आवेदन, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुओं का पंजीकरण, पशु टीकाकरण करवाया जाएगा। साथ ही प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, स्वामित्व कार्ड का वितरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, पीएम सूर्य घर योजना के तहत पंजीकरण, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण सहित विभिन्न कार्य इन शिविरों में करवाएं जाएंगे।

मदनूर में एमएनआरईजीए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विधायक कांता राव ने योजना का नाम बदलने की केंद्रीय नीति की निंदा की

मदनूर, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल केंद्र में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव, कामारेड्डी डीसीसी अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन और एआईसीसी सचिव सचिन सावंत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विधायक कांता राव ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार द्वारा एमएनआरईजीए का नाम बदलकर मविकासित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशनफ (वीबीअ-ारएएलजीएम) करने की कड़ी निंदा की।

उन्होंने इस नए नाम को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाना केंद्र सरकार की गांधी-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार शुरू से ही इस योजना को कमजोर करने की साजिश रच रही है।कांता राव ने योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बताते हुए इसके पुनरुद्धार, लोगों को रोजगार का पूर्ण अधिकार तथा ग्राम पंचायतों को प्रशासनिक शक्तियां बहाल करने की मांग की।

उन्होंने नई नीति में केंद्र-राज्य फंडिंग अनुपात 60:40 करने पर आपत्ति जताई, जो गरीब राज्यों पर वित्तीय बोझ डालेगी और वेतन भुगतान में देरी का कारण बनेगी। कार्यक्रम में स्थानीय नेता, अधिकारी, ग्रामीणजन और रोजगार गारंटी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मंगनाली जिला परिषद विद्यालय ने स्वशासन दिवस धूमधाम से मनाया

विद्यार्थियों ने एक दिन के लिए संभाला विद्यालय प्रबंधन, उत्कृष्ट प्रदर्शन

धर्माबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । धर्माबाद तालुका के मंगानाली जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय में स्वशासन दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश्वर मारुति कागले, समूह शिक्षा अधिकारी मार्कंते साहेब, केंद्र प्रमुख उशकलवाड, प्रधानाध्यापिका श्रीमती वैशाली विवेक स्वामी तथा सहशिक्षिका श्रीमती वंदना देवधर के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने एक ही दिन के लिए विद्यालय का पूरा संचालन अपने हाथों में ले लिया।

21 जनवरी को आयोजित इस कार्यक्रम में सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी रितुजा ज्ञानेश्वर कागले ने प्रधानाध्यापिका की भूमिका निभाई और कक्षा एक से सातवीं तक सभी विद्यार्थियों को पढ़ाया। उपप्रधानाचार्या की भूमिका में श्रेया अनिल पुजरोड रहीं, जबकि छात्र-छात्राओं ने शिक्षक व सेवक की जिम्मेदारियाँ निभाईं। इनमें दुर्गा मल्लू अडकेकर, लक्ष्मी ज्ञानेश्वर मकलवाड, अक्षरा पोश्ती मदनवाड, तेजस लालू, शिवम संभाजी तथा प्रसाद पोश्टी शामिल थे।

प्रधानाध्यापिका श्रीमती वैशाली विवेक स्वामी ने बताया कि सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और दिन भर सुचारु रूप से पढ़ाई चली। इस आयोजन से बच्चों में नेतृत्व क्षमता व जिम्मेदारी का भाव जागृत हुआ।

बेल्लमपल्ली नगर पालिका चुनाव: भाजपा ने किया सभी वार्डों में उम्मीदवार उतारने का ऐलान

बेल्लमपल्ली, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भारतीय जनता पार्टी की बेल्लमपल्ली मंडल इकाई ने नगर पालिका चुनाव को लेकर महत्व-पूर्ण बैठक आयोजित की। भाजपा मंडल अध्यक्ष दारा कल्याणी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली, जिला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़, म्युनिसिपल चुनाव प्रभारी रावुला राजेंद्र तथा पूर्व विधायक अमराजुला श्रीदेवी मुख्य अतिथियों के रूप में शामिल हुए।

नेताओं ने स्पष्ट किया कि भाजपा आगामी नगर पालिका चुनाव में सभी वार्डों से उम्मीदवार उतारेगी और नगर निगम में पार्टी का परचम लहराएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर जनता भाजपा को समर्थन देने को तैयार है। राज्य सरकार की नाकामियों को गिनाते हुए कार्यकर्ताओं को आक्रामक चुनाव अभियान चलाने की सलाह दी गई।बैठक के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों से 50 महिलाओं और पुरुषों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ और राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली ने उन्हें पार्टी स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्य कार्यकारी सदस्य कोय्याला एमाजी, जिला महासचिव एनगंडुला कृष्णमूर्ति, जिला उपाध्यक्ष कोडी रमेश, वेंकटकृष्णा, जिला सचिव राचरला संतोष, चुनाव संयोजक बुलेटला केशव रेड्डी सहित निर्वाचन क्षेत्र के नेता, पार्षद उम्मीदवार और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेल्लमपल्ली माइनॉरिटी गर्ल्स गुरुकुल में अनियमितताओं का आरोप

छात्रों के माता-पिता से पैसे वसूलने और फास्ट फूड बेचने पर नाराजगी

बेल्लमपल्ली, 22 जनवरी (शुभ लाभ बयूरो)। बेल्लमपल्ली नगर के माइनॉरिटी गर्ल्स गुरुकुल प्रबंधन पर छात्रों के माता-पिता से पैसे वसूलकर उन्हें बाहर एग्जीबिशन ले जाने का गंभीर आरोप लगा है।

एआईएसबी और यूएसएफआई स्टूडेंट यूनियन के नेत-ाओं ने गुरुकुल प्रिंसिपल पर स्थानीय बेकरी प्रबंधन के साथ सांठगांठ कर छात्रों को एग्जीबिशन हॉल ले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने नाराजगी जताई कि प्रबंधन आमतौर पर माता-पिताओं द्वारा लाए गए घरेलू स्नैक्स या नॉन-वेज आइटम्स पर सख्ती करता है, लेकिन एग्जीबिशन में फास्ट फूड बेचने को बढ़ावा दे रहा है।

नेताओं ने बताया कि सरकार ने स्पष्ट जीओ जारी किया है जिसमें छात्रों के माता-पिता से किसी फील्ड ट्रिप या एग्जीबिशन के लिए पैसे वसूलने पर रोक लगाई गई है। इसके बावजूद गुरुकुल प्रबंधन ने सरकारी निर्देशों का उल्लंघन कर पैसे वसूले।

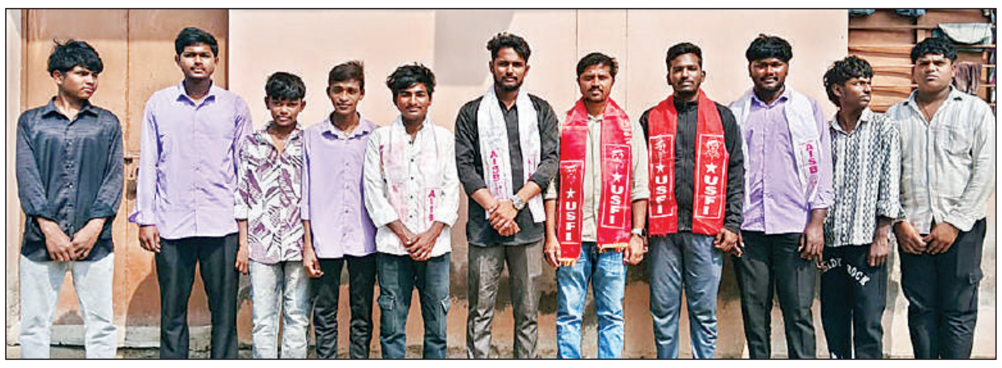

जिला कलेक्टर कार्यालय में शिकायत करने पर अधिकारियों ने कहा कि प्रिंसिपल ने माता-पिताओं को गलत जानकारी दी और प्रेस मीट भी आयोजित की।

स्टूडेंट संगठनों ने माइनॉरिटी गुरुकुल में विशेष सतर्कता जांच की मांग की तथा जिला माइनॉरिटी विभाग से तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने स्थानीय बेकरी प्रबंधन और गुरुकुल के बीच संबंधों की भी जांच की मांग उठाई। कार्यक्रम में एआईएसबी जिला सचिव कनुंटला सनी गौड़, यूएसएफआई जिला सचिव मिट्टापल्ली तिरुपति, एआईएसबी जिला सचिव डिकोंडा जतिन गौड़, यूएसएफआई जिला उपाध्यक्ष मणिशरण सहित अन्य नेता शामिल हुए।

मूला राजी रेड्डी बीआरएस में शामिल, 1500 समर्थकों के साथ धूमधाम से स्वागत

कांग्रेस पर वादाखिलाफी का आरोप, नगर निगम चुनाव में बदला लेने का ऐलान

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संयुक्त आदिलाबाद जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मूला राजी रेड्डी सहित चेन्नूर, भीमराम, जयपुर, मंदामारी और कयाथानापल्ली से लगभग 1500 समर्थक बुधवार को तेलंगाना भवन पहुंचे। पूर्व विधायक बल्का सुमन की उपस्थिति में बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने उन्हें गुलाबी दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल होने का स्वागत किया।

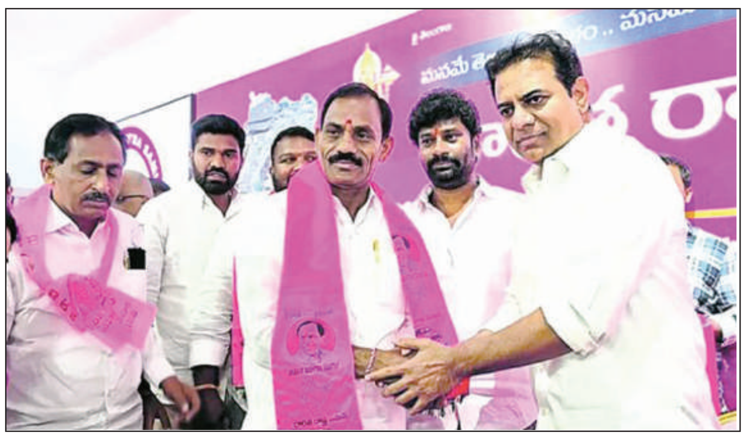

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने के 100 दिनों में छह गारंटियां पूरी करने का वादा किया था, लेकिन उसे लागू नहीं किया। उन्होंने चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों और नेताओं का बीआरएस में शामिल होने का स्वागत करते हुए कहा कि नगर निगम चुनावों में कयाथानापल्ली और चेन्नूर में गुलाबी झंडा फहराया जाएगा। बीआरएस में शामिल होने वालों में पूर्व एमपीपी मैडम कलावती, पूर्व पार्षद पोगुला सतीश तथा पूर्व एमपीटीसी व कांग्रेस नेता भी शामिल हैं।मूला राजी रेड्डी ने मंत्री विवेक वेंकटस्वामी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 45 हजार नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के दो साल बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिला। उन्होंने मंत्री के घर तीन नौकर रखने का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की वादाखिलाफी की आलोचना की। राजी रेड्डी ने कहा कि इस धोखे का बदला पूर्व विधायक बल्का सुमन के नेतृत्व में आगामी नगर निगम चुनाव में लिया जाएगा।

मोगा सरपंच ने 105 गरीब छात्रों को बूट वितरित किए

गणतंत्र दिवस खेलकूद प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

मदनूर, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मोगा गांव के नवनिर्वाचित सरपंच बसवराज ने गुरुवार को स्वयं के खर्च से ग्राम के सरकारी प्राथमिक पाठशाला के 105 गरीब छात्रों को बूट का वितरण किया। इसके बाद उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा आयोजित होने वाले खेलकूद प्रतियोगिताओं का औपचारिक शुभारंभ भी किया।

इस अवसर पर सरपंच बसवराज ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि पाठशाला में कोई समस्या या आवश्यकता हो तो तुरंत शिक्षकों के माध्यम से सूचित करें।

उन्होंने ग्रामीण बच्चों की शिक्षा और सुविधाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस पहल से गांव में सरपंच के प्रति जनता में सकारात्मक संदेश गया।

श्री रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर में गणेशोत्सव की तैयारी

होमहवन और महाप्रसाद के साथ अनुष्ठान सम्पन्न

बालापुर (धर्माबाद), 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर में गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि में गुरुवार सुबह 8 बजे हवन पूजन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पार्षद वर्णी नागभूषण, बचे सर तथा रवि सुरकुटवार ने अपने परिवारजनों के साथ पूजन-अनुष्ठान में भाग लिया।

स्थानीय नगर ग्राम जोशी एवं वेद पंडित महेश जोशी बालापुरकर के मंत्रोच्चारण से संपूर्ण होमहवन विधि-विधान से संपन्न हुआ। अनुष्ठान के बाद सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन से क्षेत्र में भक्तिभाव का संचार हुआ और गणेशोत्सव को लेकर उत्साह बढ़ गया।

धर्माबाद नगर निगम: विषय समिति एवं अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन

मराठवाड़ा जनहित पार्टी के नेतृत्व में 7 अध्यक्षों का चयन

धर्माबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

धर्माबाद नगर परिषद में विषय समिति एवं अध्यक्ष पदों का चुनाव बुधवार दोपहर निर्विरोध संपन्न हुआ। मराठवाड़ा जनहित पार्टी के 15 नगरसेवकों एवं नगराध्यक्ष के बहुमत के कारण यह चुनाव प्रतिस्पर्धा रहित रहा। नांदेड़ के डीपीओ इरलोद चुनाव रिटर्निंग अधिकारी रहे, जबकि सहायक अधिकारी के रूप में कौस्तुभ गव्हाणे, घाटिकर एवं गोविंद जक्कवाड ने सहयोग

किया।मराठवाड़ा जनहित पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष शंकर बोलमवाड, उपाध्यक्ष मोइजोद्दीन कारखेलिकर एवं पूर्व सैनिक शे-षराव पाटिल फडसे के नेतृत्व में सभी नगरसेवकों के बीच सहमति बनाई गई।

नामांकन प्रक्रिया के बाद दोपहर 3 बजे डीपीओ इरलोद ने निर्विरोध विजयी घोषित किया। जलापूर्ति अध्यक्ष महेश बोलमवाड, योजना एवं विकास अध्यक्ष कृष्णा तिम्मापुरे, निर्माण अध्यक्ष अहमद मजीद उर्फ समीर, स्वास्थ्य अध्यक्ष अलीमोदीन चौधरी, शिक्षा अध्यक्ष अर्चना संगमवार, महिला एवं बाल कल्याण अध्यक्ष अनुसया सुरकुटवार तथा उपाध्यक्ष कविता हनमंते चुने गए। मेयर संगीताई बोलमवाड ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्षों का स्वागत किया।

नगराध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पदेन अध्यक्ष बनने पर डीपीओ इरलोद ने बधाई दी। भाजपा ग्रुप लीडर वर्णी नागभूषण एवं मराठवाड़ा जनहित पार्टी के समूह नेता ताहेर पठान ने भी नवनिर्वाचितों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दोनों दलों के सभी नगरसेवक उपस्थित रहे।

मंचेरियाल-रामागुंडम रेल लाइन पर अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद

ट्रेन की चपेट में आने से सिर धड़ से अलग, पुलिस ने शुरू की जांच

मंचेरियाल, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल-रामागुंडम रेलवे लाइन के पेद्दामपेट खंड पर बुधवार रात करीब 10 बजे एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने बताया कि निजी कारणों या अन्य किसी वजह से उसने डाउन लाइन पर एक ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या की, जिसमें उसका सिर धड़ से अलग हो गया, दिमाग बाहर निकल आया और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं।

लाश ट्रैक के बीचों-बीच पड़ी मिली। मृतक की लंबाई लगभग 5 फीट 5 इंच, सांवला रंग, पतला कद-काठी, काले बाल, मूंछें और पेट पर एक तिल मौजूद है। उसने काली जींस, नीली फुल स्लीव शर्ट तथा नेवी ब्लू ड्रेस पहन रखी थी।

पास से जन्नारम से मंचेरियाल का बस टिकट बरामद हुआ, लेकिन कोई पहचान पत्र या अन्य कागजात नहीं मिले।

मृतक के शव को मंचेरियाल सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। जीआरपी एसआई महेंद्र के निर्देश पर हेड कांस्टेबल बी. सत्यनारायण जांच कर रहे हैं। जानकारी रखने वाले 9701112343 या 9618689879 पर संपर्क कर सकते हैं।

मेंस हीरो एचआईएल क्वालिफायर 1 प्रीव्यू: फाइनल का टिकट दांव पर, वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रायल्स आमने-सामने

भुवनेश्वर, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

मेंस हीरो हाकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के क्वालिफायर 1 में रोमांच चरम पर होगा, जब लीग चरण की शीर्ष दो टीमें वेदांता कलिंगा लांसर्स और रांची रायल्स 23 जनवरी को कलिंगा हाकी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। शाम 5 बजे से शुरू होने वाले इस अहम मुकाबले में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी।

लीग चरण में वेदांता कलिंगा लांसर्स ने 16 अंकों के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया, जबकि रांची रायल्स 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इसी के चलते दोनों टीमों को क्वालिफायर 1 में भिड़ने का मौका मिला है।

वेदांता कलिंगा लांसर्स: लीग चरण में दबदबा – वेदांता कलिंगा लांसर्स का लीग चरण में प्रदर्शन बेहद मजबूत और संतुलित रहा। टीम को सात मैचों में सिर्फ एक हार का सामना करना पड़ा, वह भी अपने आखिरी लीग मुकाबले में, जब उन्हें जेएसडब्ल्यू सूरमा हाकी क्लब से 2-1 से हार मिली। हालांकि, इस हार का उनकी क्वालिफायर स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा।

लांसर्स ने लीग में चार मैच नियमित समय में जीते, जबकि दो मुकाबले शूटआउट में अपने नाम किए। मजबूत डिफेंस उनकी सबसे बड़ी ताकत रही, जहां उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ 8 गोल गंवाए, जो किसी भी टीम से सबसे कम हैं।

बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स टीम के लिए सबसे अहम खिलाड़ी साबित हुए हैं। उन्होंने अब तक सभी 8 गोल पेनल्टी कार्नर से किए हैं। इसके अलावा, लांसर्स का पेनल्टी कार्नर कन्वर्जन रेट 28.1 प्रतिशत रहा है, जो लीग में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है।

क्वालिफायर 1 से पहले टीम के कप्तान आर्थर वैन डोरेन ने कहा – हमने पूरे सीजन कड़ी मेहनत की है और अब सबसे अहम मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य है। हमें रांची रायल्स की आक्रमण क्षमता का अंदाजा है, लेकिन हमें अपने डिफेंस और सेट पीस पर पूरा भरोसा है। भुवनेश्वर का माहौल हमेशा हमें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और हम अपने समर्थकों को जीत का तोहफा देना चाहेंगे।

रांची रायल्सः आक्रमण में जबरदस्त ताकत – रांची रायल्स इस सीजन की सबसे आक्रामक टीमों में से एक रही है। टीम ने अब तक कुल 25 गोल दागे हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा हैं। रायल्स की आक्रमण पंक्ति की अगुवाई कप्तान टाम बून कर रहे हैं, जो 15 गोल के साथ टूर्नामेंट के टाप स्कोरर हैं। इनमें 5 फील्ड गोल, 8 पेनल्टी कार्नर और 2 पेनल्टी स्ट्रोक शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026: पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जकार्ता। इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन ने हांगकांग के जेसन गुनावन को सीधे गेमों में 21-10, 21-11 से हराया। यह मुकाबला महज आधे घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चला, जिसमें लक्ष्य ने शुरुआत से अंत तक पूरा नियंत्रण बनाए रखा। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु ने महिला एकल के राउंड आफ 16 मुकाबले में डेनमार्क की लाइन क्येरफेल्ड्ट को 21-19, 21-18 से शिकस्त दी। 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिंधु ने अहम मौकों पर धैर्य दिखाते हुए जीत दर्ज की। यह क्येरफेल्ड्ट के खिलाफ सिंधु की छह मुकाबलों में पांचवीं जीत रही। अब क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार चीन की चेन यू फेई से होगा। अब तक दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें चेन यू फेई को 7-6 की मामूली बढ़त हासिल है। सिंधु की चेन यू फेई के खिलाफ आखिरी जीत साल 2019 में आई थी और वह इस रिकार्ड को बेहतर बनाने के इरादे से क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उतरेंगी।

यूईएफए चैंपियंस लीग: लोपेज के दो गोल, बार्सिलोना ने स्लाविया प्राग को 4-2 से हराया

प्राग। यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार देर रात बेहद ठंडे मौसम के बीच खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने

शानदार वापसी करते हुए स्लाविया प्राग को 4-2 से मात दी। फर्मिन लोपेज ने दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में दानी ओल्मो और राबर्ट लेवांडोव्स्की ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ बार्सिलोना 13 अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। टीम के अभी एक मैच बाकी है और वह शीर्ष आठ में जगह बनाकर सीधे अंतिम-16 में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं स्लाविया प्राग सिर्फ तीन अंकों के साथ तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर है। प्राग में माइनस आठ डिग्री सेल्सियस के कड़ाके की ठंड वाले माहौल में स्लाविया प्राग ने शानदार शुरुआत की। 10वें मिनट में कार्नर से बनाए गए एक बेहतरीन मूव पर टोमास होलेस ने गेंद को पास पोस्ट से फार पोस्ट की ओर बढ़ाया, जहां फ्रेंकी डी यान्ग के दबाव के बीच वासिल कुसेय ने गेंद को लाइन के पार पहुंचा दिया। बार्सिलोना ने 34वें मिनट में बराबरी हासिल की। फर्मिन लोपेज ने बाक्स के अंदर से तेज कोण से शानदार शाट लगाया, जो हल्के डिफ्लेक्शन के बाद गोलकीपर जिन्द्रिच स्टानेक को चकमा देते हुए पास पोस्ट से गोल में चला गया। लोपेज ने 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल करते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिला दी। बाक्स के किनारे से लगाए गए सटीक शाट ने सीधे निचले दाएं कोने में जगह बनाई और स्टानेक के पास बचाव का कोई मौका नहीं रहा। हालांकि बार्सिलोना की यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। दो मिनट बाद ही एक दुर्भाग्यपूर्ण क्षण में स्लाविया प्राग ने बराबरी कर ली। कार्नर का बचाव करते समय राबर्ट लेवांडोव्स्की के कंधे से गेंद टकराकर खुद ही गोल में चली गई।

सऊदी प्रो लीग 2025-26: रोनाल्डो के निर्णायक गोल से अल नसर ने दमाक को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। अब्हा स्थित प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुल अजीज स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए सऊदी

प्रो लीग 2025-26 के मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल की बदौलत अल नसर ने दमाक को 2-1 से मात दी। अल नसर के लिए मुकाबले का पहला गोल अब्दुलरहमान घरीब ने किया, जबकि रोनाल्डो ने बढ़त को दोगुना किया। दमाक की ओर से जमाल हारकस ने एकमात्र गोल दागा। इस जीत के साथ अल नसर तालिका में शीर्ष पर काबिज अल हिलाल से अस्थायी रूप से चार अंक पीछे है। वहीं, दमाक को अब भी सीजन की दूसरी जीत का इंतजार है और टीम 15वें स्थान पर बनी हुई है, जो रेलीगेशन जोन से सिर्फ एक पायदान ऊपर है। अल हिलाल गुरुवार को अल फैहा की मेजबानी करेगा। पिछले पांच मैचों में सिर्फ चार अंक जुटाने के बाद अल नसर इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक नजर आया। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब किंग्सले कोमान ने दाईं ओर से गेंद को गोल लाइन तक ले जाकर कट-बैक पास दिया। डिफ्लेक्शन के बाद गेंद घरीब के पास पहुंची और 28 वर्षीय खिलाड़ी ने बाएं पैर से शाट का फेक देकर गेंद को निचले बाएं कोने में डालते हुए टीम को बढ़त दिला दी। पांच मिनट बाद ही रोनाल्डो के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, जब उन्होंने जोआओ फेलिक्स के शानदार क्रास पर हेडर लगाया, लेकिन गेंद सीधे गोलकीपर के पास चली गई।

आईजीपीएल ने गोल्फ चैंपियनों के लिए लान्च किया ग्रासरूट्स मेंटरशिप प्रोग्राम

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू), प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (पीजीएआई) और द गोल्फ फाउंडेशन (टीजीएफ) के सहयोग से गोल्फ ग्रोथ इनिशिएटिव' नामक एक महत्वाकांक्षी ग्रासरूट्स विकास कार्यक्रम की शुरुआत की।

दिल्ली गोल्फ क्लब में आयोजित कार्यक्रम में टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस की मौजूदगी में इस पहल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह पहल भारतीय गोल्फ के विकास में एक बड़े बदलाव का संकेत है, जिसके तहत खेल को सीधे स्कूलों और खेल मैदानों तक ले जाया जाएगा, ताकि देश के हर कोने से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाया जा सके।

इस कार्यक्रम के तहत भारतीय गोल्फ जगत के दिग्गज खिलाड़ी जीव मिल्खा सिंह, ज्योति रंधावा, शिव कपूर, गगनजीत भुल्लर, एसएसपी चौरसिया और गौरव घेई युवा खिलाड़ियों को मेंटरशिप देंगे। इसका उद्देश्य खेल को और व्यापक व मजबूत बनाना है।

आईजीपीएल ने ग्रासरूट्स स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान के लिए द गोल्फ फाउंडेशन (टीजीएफ) के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इसके साथ ही ओडिशा, गुरुग्राम और आंध्र प्रदेश में इसी वर्ष से अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो क्षेत्रीय प्रतिभा केंद्र के रूप में काम करेंगे।

पारंपरिक अकादमियों से आगे बढ़ते हुए, यह पहल स्कूलों में इंटरैक्टिव गोल्फ सत्रों का आयोजन करेगी, जिससे हजारों छात्र पहली बार इस खेल से जुड़ेंगे। इसमें आईजीयू, पीजीएआई, स्कूलों और कार्पोरेट साझेदारों की भागीदारी होगी, जिससे प्रतिभा की शुरुआती पहचान के लिए एक संगठित ढांचा तैयार होगा।

आईजीपीएल के सीईओ उत्तम सिंह मुंडी ने कहा, भारतीय गोल्फ तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब समय आ गया है कि हम ऐसी पीढ़ी तैयार करें जो विश्व मंच पर दबदबा बना सके। इसके लिए हम खेल को सीधे स्कूलों और मैदानों तक ले जा रहे हैं, ताकि कोई भी प्रतिभा पीछे न छूटे। अनुभवी दिग्गजों के साथ खेलने और सीखने का अवसर युवाओं को विजेता बनाएगा।

इस पहल का प्रमुख आधार 360 डिग्री मेंटरशिप माडल है, जिसके तहत युवा खिलाड़ी भारतीय गोल्फ आइकनों के साथ खेलेंगे और उनसे सीखेंगे। शिव कपूर और गगनजीत भुल्लर जैसे खिलाड़ी उभरती प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करेंगे।

आईजीपीएल आइकन खिलाड़ी जीव मिल्खा सिंह ने कहा, भारतीय गोल्फ के विकास के लिए अगली पीढ़ी को मार्गदर्शन देना बेहद जरूरी है। यह पहल युवा खिलाड़ियों को संरचित प्रशिक्षण और मेंटरशिप देगी, जिससे उनके सीखने की प्रक्रिया तेज होगी और वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने का आत्मविश्वास हासिल करेंगे।

टेनिस आइकन लिएंडर पेस ने कहा, भारतीय खिलाड़ियों में विश्व मंच पर राज करने की पूरी क्षमता है। आईजीपीएल के साथ साझेदारी का उद्देश्य गोल्फ में ओलंपिक सोच लाना है, जहां प्रतिभा की पहचान शुरुआती स्तर पर हो और उसे बेहतरीन ढांचे में निखारा जाए।

भारतीय गोल्फ संघ के महानिदेशक मेजर विभूति भूषण ने कहा, जब तक गोल्फ स्कूलों, सरकारी स्कूलों, टियर-2, टियर-3 शहरों और गांवों तक नहीं पहुंचेगा, तब तक बड़ी प्रतिभाएं सामने नहीं आएंगी। गोल्फ आन व्हील्स' जैसी पहल भारतीय गोल्फ के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

वहीं, द गोल्फ फाउंडेशन के संस्थापक अमित लूथरा ने कहा, आईजीपीएल के साथ साझेदारी हमें देशभर में बड़े स्तर पर गोल्फ को स्कूलों और मैदानों तक ले जाने का मौका देती है। इससे भारत के किसी भी कोने से अगला वैश्विक चैंपियन उभर सकता है।

आईजीपीएल गोल्फ विकास कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इस वर्ष ओडिशा, गुरुग्राम और आंध्र प्रदेश में बनने वाले प्रशिक्षण केंद्र भारत में गोल्फ के दीर्घकालिक विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में काम करेंगे।

डब्ल्यूपीएल 2026: पूजा वस्त्राकर आरसीबी में लौटीं, गुजरात ने जिंतिमानी कलिता को किया शामिल

वड़ोदरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में प्लेआफ की शुरुआत से पहले टीमों ने अपने संयोजन में अहम बदलाव किए हैं। आरसीबी की स्टार आलराउंडर पूजा वस्त्राकर चोट से उबरकर वापस लौट आई हैं। गुजरात जायंट्स (जीजी) ने तितास साधु की जगह जिंतिमानी कलिता को टीम में शामिल किया है।

पूजा वस्त्राकर ने आरसीबी की ताकत बढ़ाई

भारत की तेज़ गेंदबाज और आलराउंडर पूजा वस्त्राकर लंबे समय तक चोट की वजह से मैदान से दूर थीं। 2024 के अंत में कंधे की चोट के बाद उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) के सेंटर आफ़ एक्सीलेंस बेंगलुरु में कठिन पुनर्वास किया। अब वे आरसीबी के साथ डब्ल्यूपीएल 2026 के बाकी मैचों में खेलेंगी।

आरसीबी ने एक्स पर लिखा, अनुभव उनके कदमों में, जुझारूपन उनकी दौड़ में, तेज़ी हाथ में और पावर बल्लेबाजी में – काम पूरा होता है। चोट से लौटकर, पहले से भी मजबूत, पूजा वस्त्राकर अपने नए अध्याय की शुरुआत कर रही हैं।

पूजा ने अब तक भारत के लिए 72 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें 58 विकेट और 332 रन उनके नाम हैं। महिला प्रीमियर लीग में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 16 मैच खेले, 7 विकेट लिए और 126 रन बनाए। उनकी वापसी आरसीबी की प्लेआफ की संभावनाओं को और मजबूत करेगी।

जिंतिमानी कलिता गुजरात जायंट्स में शामिल

गुजरात जायंट्स ने तितास साधु की चोट के कारण जिंतिमानी कलिता को टीम में शामिल किया है। लेफ्ट-हैंडेड बल्लेबाज और राइट-आर्म मीडियम फास्ट गेंदबाज कलिता ने पहले मुंबई इंडियंस के लिए 13 डब्ल्यूपीएल मैच खेले हैं। इस साल उन्होंने जीजी के लिए 10 लाख रुपये की कीमत पर जगह बनाई है।

हर्षिता मोर की प्रेरक जीत से महाराष्ट्र केसरी ने यूपी डामिनेटर्स को कड़े मुकाबले में हराया

नोएडा। हर्षिता मोर ने निर्णायक क्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार रात महाराष्ट्र केसरी को प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के मैच 9 में यूपी डामिनेटर्स पर रोमांचक 5-4 की जीत दिलाई। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैचडे सात के इस मुकाबले में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में हर्षिता का ानदार फाल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ महाराष्ट्र केसरी चार अंकों और 14 बाउट जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, करीबी हार के बावजूद यूपी डामिनेटर्स चार अंकों और बेहतर 16 बाउट जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। हर्षिता मोर को प्लेयर आफ द मैच, जबकि यूपी डामिनेटर्स की अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन तपस्या गहलावत को फाइटर आफ द मैच चुना गया। यूपी डामिनेटर्स ने मुकाबले की मजबूत शुरुआत की।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 : जोकोविच ने क्वालिफ़ायर माएस्ट्रेल्ली को हराकर तीसरे राउंड में किया प्रवेश

मेलबर्न, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

नोवाक जोकोविच ने इतालवी क्वालिफ़ायर फ्रांसेस्को माएस्ट्रेल्ली को 6-3, 6-2, 6-2 से हराते हुए आस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली। रोड़ लैवर एरीना में अपनी शानदार यात्रा जारी रखते हुए 38 वर्षीय जोकोविच रिकार्ड-तोड़ 11वां मेलबर्न पार्क खिताब और कुल 25वें ग्रैंड स्लैम ट्राफी की दिशा में एक कदम और बढ़ गए।

चौथे सीड जोकोविच ने दूसरे राउंड के मैच में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और उच्च गति में जाने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। 23 वर्षीय माएस्ट्रेल्ली के बारे में बात करते हुए जोकोविच ने कहा, मैं कुछ दिन पहले तक उनके बारे में ज्यादा नहीं जानता था, यह आजकल अक्सर होता है। लेकिन हमेशा सम्मान रहता है और मैंने उन्हें कम नहीं आंका। उनके पास शानदार खेल है, केवल अनुभव की कमी है। उनका खेल उन्हें रैंकिंग में ऊँचाई तक ले जा सकता है और मैं उन्हें इसके लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

जोकोविच ने पहले सेट में दूसरे गेम में ब्रेक लेकर पकड़ मजबूत की और दूसरे सेट के पहले गेम में फिर से हमला करके विश्व रैंकिंग में 141वें नंबर के माएस्ट्रेल्ली पर दबाव बनाया। माएस्ट्रेल्ली ने कुछ मौके भुनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। जोकोविच ने सेट प्वाइंट एक शानदार बैकहैंड से बनाया और उसी फ्लैंक से अनरिटर्न्ड शाट से सेट जीतकर ग्रैंड स्लैम में अपनी 399वीं जीत और मेलबर्न में 101वीं जीत दर्ज की, जो उन्हें रिकार्ड होल्डर रोजर फेडरर से केवल एक जीत पीछे छोड़ती है। तीसरे सेट में माएस्ट्रेल्ली ने दो ब्रेक गंवाने के बाद एक बार वापसी की, लेकिन जोकोविच ने फिर अपना स्तर बढ़ाया और जीत दर्ज कर डच खिलाड़ी बोतिक वान दे जांद्सचल्प के साथ तीसरे राउंड में मुकाबले का रास्ता साफ कर लिया।

यूपीकेएल का सीजन 2 सकारात्मक और उम्मीदों से बेहतर रहा : संभव जैन

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

एसजे अपलिफ्ट कबड्डी के संस्थापक संभव जैन ने उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) के दूसरे सीजन को सकारात्मक और उम्मीदों से बेहतर बताया है। उनके अनुसार खेल के स्तर पर लीग में तीव्रता, प्रतिस्पर्धा और मैच क्वालिटी में स्पष्ट उन्नति देखने को मिली, जिसमें शानदार वापसी वाले मुकाबले, करीबी संघर्ष और हाई-स्कोरिंग मैच शामिल थे, जो लीग की बढ़ती परिपक्वता को दर्शाते हैं।

संभव जैन ने विशेष बातचीत में कहा कि सीजन 2 का अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और कई मायनों में इसने हमारी अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अभिनेता तुषार कपूर का फ्रेंचाइजी सह-मालिक के रूप में जुड़ना, विश्व कप विजेता कबड्डी खिलाड़ी अनु सेन की मौजूदगी, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा का दौरा और फाइनल के दौरान इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के डायरेक्टर तेजस्वी सिंह गहलोत की उपस्थिति आदि ने यूपीकेएल की खेल, सांस्कृतिक और संस्थागत स्तर पर बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सीजन 2 यूपीकेएल के लिए पैमाने और संरचना दोनों के लिहाज से एक बड़ा कदम साबित हुआ। लीग का विस्तार 12 टीमों तक किया गया, जिसमें

चार नई फ्रेंचाइजियां– अलीगढ़ टाइगर्स, कानपुर वारियर्स, पूर्वांचल पैंथर्स और गजब गाजियाबाद शामिल हुईं। इससे नई प्रतिद्वंद्विताएं, व्यापक क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और प्रतिस्पर्धा की गहराई बढ़ी। उन्होंने लीग के विस्तार के साथ सामने आई चुनौतियों पर भी अपनी बात साझा की। उन्होंने बताया कि लाजिस्टिक्स, कड़े शेड्यूल और लंबे सीजन में खिलाड़ियों की फिटनेस व सुरक्षा सुनिश्चित करना जैसी कई चुनौतियां भी रहीं। नई टीमों को जोड़ते समय प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन बनाए रखना भी एक महत्वपूर्ण पहलू था। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर योजना, फ्रेंचाइजियों के साथ मजबूत समन्वय, उन्नत आपरेशनल सिस्टम और खिलाड़ी कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि हर चुनौती से हमें भविष्य के सीजन के लिए महत्वपूर्ण सीख मिली। संभव जैन ने इस सीजन की सबसे बड़ी विशेषता पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि इस सीजन में लगभग हर टीम ने वापसी करने, रणनीति बदलने और मजबूत विरोधियों को चुनौती देने की क्षमता दिखाई। हार के बाद भी वापसी करने वाली टीमों का जज्बा और आत्मविश्वास लीग को बेहद संतुलित और रोमांचक बनाने वाले प्रमुख पहलुओं में से एक रहा। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग के सीजन 2 का खिताब काशी किंग्स ने जीता है। टीम ने बीते 10 जनवरी को खेले गए फाइनल मुकाबले में गत चैंपियन लखनऊ लायंस को हराया था। फाइनल मैच नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेला गया था, जहां काशी किंग्स ने लखनऊ लायंस को 38-32 के स्कोर से हराकर सीजन 2 की ट्राफी अपने नाम की थी।

कर्ज प्रवाह में 44 फीसदी की उछाल मांग में सुधार के संकेत : आरबीआई

गैर-बैंकिंग और बैंक स्रोतों से वाणिज्यिक क्षेत्र को अधिक वित्त मिला

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मासिक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से दिसंबर के दौरान गैर-बैंकिंग स्रोतों और बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसे अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति में सुधार का संकेत माना जा रहा है, जहां ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में धीरे-धीरे मजबूती देखने को मिल रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों से कुल आवक बढ़कर 30.8 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 21.8 लाख करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में यह आवक 35.09 लाख करोड़ रुपये रही थी, जबकि इससे पहले के वर्ष में 34.04 लाख करोड़ रुपये दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि गैर-बैंक स्रोतों में कारपोरेट बान्ड जारी करना और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) शामिल है, जिनमें चालू वित्त वर्ष के दौरान तेजी देखी गई है। इसके साथ ही बैंकिंग स्रोतों से भी ऋण प्रवाह में बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के अनुसार 2025-26 के जीडीपी के पहले अग्रिम अनुमानों से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती झलकती है। निजी अंतिम खपत व्यय और नियत निवेश जैसे घरेलू कारकों ने बाहरी चुनौतियों के बावजूद आर्थिक वृद्धि को सहारा दिया है। सरकार के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो पिछले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि दिसंबर में डालर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई, जिसका कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता रही। इसके बावजूद आरबीआई ने भू-राजनीतिक अस्थिरताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण जताया है और कहा है कि भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

नए लेबर कोड से बैंकों और फाइनेंस सेक्टर पर बढ़ा खर्च

नई दिल्ली। देश में नए लेबर कोड लागू होने के बाद दिसंबर तिमाही में कारपोरेट सेक्टर पर इसका असर दिखने लगा है। मुख्य रूप से बैंकिंग, एनबीएफसी और इंश्योरेंस कंपनियों को अतिरिक्त वित्तीय बोझ उठाना पड़ा। कुल मिलाकर 1,500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च सामने आया है। बैंकिंग सेक्टर सबसे प्रभावित रहा, खासकर बड़े निजी बैंक। एचडीएफसी बैंक ने लगभग 800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च दर्ज किया। आईसीआईसीआई बैंक ने 145 करोड़ रुपए और यश बैंक ने 155 करोड़ रुपए के असर की जानकारी दी। मिड-साइज बैंकों में फेडरल बैंक और आरबीएल बैंक पर क्रमशः 20.8 करोड़ और 32 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च पड़ा। एनबीएफसी पर भी असर दिखा, हालांकि बैंकिंग के मुकाबले कम। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने 61 करोड़ रुपए, एलएंडटी फाइनेंस ने 29 करोड़ और टाटा कैपिटल ने 33 करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च की जानकारी दी। सरकारी बैंकों पर असर अपेक्षाकृत कम रहा, क्योंकि उनके कर्मचारियों की सैलरी और लाभ पहले से ही वेतन समझौतों में तय हैं। नए नियमों के तहत बेसिक सैलरी का हिस्सा बढ़ाना अनिवार्य किया गया है। इससे प्रोविडेंट फंड, ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट जैसी लागतें बढ़ती हैं। बड़ी शाखा नेटवर्क और स्थायी कर्मचारियों वाले बैंक और इंश्योरेंस कंपनियों के लिए यह वित्तीय बोझ आगे भी जारी रह सकता है।

जयपुर, भरतपुर और बीकानेर जिलों में खुलेंगे अनाज एटीएम, लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग कर राशन प्राप्त कर सकेंगे

जयपुर। राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और बीकानेर जिलों में जल्द ही अनाज एटीएम शुरू किए जाएंगे। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने हाल ही में इसकी जानकारी दी। इन एटीएम के माध्यम से खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग कर राशन प्राप्त कर सकेंगे। मंत्री ने बताया कि यह व्यवस्था विशेष रूप से उन मजदूर परिवारों के लिए उपयोगी होगी जो सुबह जल्दी काम पर जाते हैं और देर रात तक घर लौटते हैं। गोदारा ने कहा कि एटीएम को घनी बस्तियों में सामुदायिक केंद्र, खाद्य निगम के गोदाम और राशन दुकानों के पास स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लाभार्थी परिवारों को सुविधाजनक और समयबद्ध राशन वितरण सुनिश्चित करना है। प्रदेश में गिवअप अभियान के तहत 54.36 लाख सम्पन्न लोगों ने स्वेच्छा से राशन लेना छोड़ा, जबकि 73 लाख नए पात्र लाभार्थियों को योजना में जोड़ा गया। जयपुर जिले में 3.17 लाख, बाड़मेर में 3.07 लाख और सीकर में 3.04 लाख लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में शामिल किया गया।

बीईई कैफे-3 नियम में बदलाव करेगा छोटी कारों की विशेष छूट हटाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) भारत में कारपोरेट औसत ईंधन दक्षता फेज 3 (केएएफई-3) उत्सर्जन मानदंड में बदलाव कर सकता है। पहले मसौदे में 909 किलोग्राम से कम वजन वाली पेट्रोल कारों को विशेष छूट दी गई थी, लेकिन अंतिम अधिसूचना में इसे हटाने का प्रस्ताव है। बीईई मुख्य फार्मूला में संशोधन कर 1,229 किलोग्राम से कम वाहनों को अधिक उदार लक्ष्य और भारी वाहनों को कड़ा लक्ष्य देगा। छोटी कारों की छूट पर वाहन निर्माता मतभेद में हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी, टाटा मोटर्स और किया ने कहा कि विशेष छूट केवल एक निर्माता को लाभ पहुंचाएगी। मारुति सुजुकी ने विरोध किया और चेतावनी दी कि अवैज्ञानिक लक्ष्य से छोटे वाहनों का बाजार में नुकसान हो सकता है। केफे-3 मानदंड वित्त वर्ष 2027-28 से 2032 तक लागू होंगे। बीईई का कहना है कि संशोधित फार्मूला 909 किलोग्राम वाली कारों को 4.51-5.31 ग्राम/किमी प्रति वर्ष अतिरिक्त राहत दे सकता है। इसका उद्देश्य उद्योग के औसत कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करना और नियमों को न्यायसंगत बनाना है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शेयर बाजार और उद्योगों के लिए बड़ा अवसर

यह समझौता भारत की जियो-इकोनामिक स्थिति बदल सकता है

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। दावोस 2026 में वर्ल्ड इकोनामिक फोरम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने संकेत दिए कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लगभग अंतिम चरण में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत की जियो-इकोनामिक स्थिति बदल सकता है। मौजूदा बाजार गिरावट और अस्थिरता के बीच यह खबर निवेशकों के लिए एक मजबूत सकारात्मक संकेत के रूप में काम कर रही है।

वर्तमान में भारत और ईयू के बीच सालाना वस्तु व्यापार लगभग 130 अरब डालर का है, जिसमें भारत का निर्यात 75 अरब डालर और आयात 65 अरब डालर है। सेवा व्यापार लगभग 72 अरब डालर का है, जिसमें भारत 9 अरब डालर का लाभ में है। एफटीए के बाद इन आंकड़ों में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है, जो सीधे भारतीय कंपनियों की बैलेंस शीट और शेयर बाजार के मूल्यांकन को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार टेक्सटाइल और परिधान सेक्टर सबसे ज्यादा लाभान्वित होगा। वर्तमान में भारत की ईयू में हिस्सेदारी केवल 5-6 फीसदी है, जबकि चीन की 30 फीसदी है। फार्मास्यूटिकल्स में नियमों में ढील कंपनियों के लिए सकारात्मक होगी।

इसके अलावा बैंकिंग, लाजिस्टिक्स, सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी व्यापार अवसर बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता 1990 के दशक के आर्थिक सुधारों के बाद सबसे बड़ा सुधार आंदोलन हो सकता है। अमेरिका में बढ़ते टैरिफ के बीच ईयू भारत के लिए ठोस वैकल्पिक बाजार बन सकता है। बाजार की धारणा अभी पूरी तरह बदलाव को नहीं आंक रही है, लेकिन औपचारिक घोषणा के बाद तेजी देखने को मिल सकती है।

ट्रंप के दावोस बयान से वैश्विक बाजार में हलचल की संभावना

नई दिल्ली। दावोस में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और रूस को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अदभुत नेता बताया और अप्रैल में चीन दौरे की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने प्रस्तावित बोर्ड आफ पीस मिशन में शामिल होने का न्योता दिया। पिछले सालों में अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार और टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया था। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलाजी समझौते संभव हैं। इससे एशियाई शेयर बाजारों में उछाल, अमेरिकी डालर में थोड़ी कमजोरी और टेक कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है। ट्रंप के पुतिन को बोर्ड आफ पीस में आमंत्रित करने के कदम से रूस-अमेरिका संबंध और यूक्रेन युद्ध पर नई संभावनाएं खुल सकती हैं। अगर बातचीत सफल रही, तो ग्लोबल सप्लाई चेन मजबूत होगी। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए यह सकारात्मक संकेत हैं। विदेशी निवेशकों का पैसा बढ़ सकता है, शेयर बाजार में तेजी, रुपया मजबूत और आयात सस्ता होने से महंगाई पर नियंत्रण संभव है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें गिर सकती हैं जिससे पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे। ट्रंप के बयान से जियो-पालिटिकल तनाव कम होने की उम्मीद है। अगर सब कुछ सकारात्मक रहा, तो निवेशकों का जोखिम घटेगा और ग्लोबल कमोडिटी, टेक और बैंकिंग शेयर लाभ उठा सकते हैं।

उद्यमी भारत की अर्थव्यवस्था के नए स्तंभ बने

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में युवा उद्यमिता तेजी से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। एवेंडस वेल्थ-हुरुन इंडिया यू40 लिस्ट 2025 रिपोर्ट के अनुसार 40 वर्ष से कम उम्र के 201 उद्यमी संयुक्त रूप से 31 लाख करोड़ रुपये (357 अरब डालर) के उद्यमों की कमान संभाल रहे हैं। यह आंकड़ा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 11वां हिस्सा है, जो युवा नेतृत्व की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक सूची में शामिल 83 प्रतिशत उद्यमी पहली पीढ़ी के संस्थापक हैं।

40 वर्ष से कम उम्र के 201 उद्यमियों के हाथ में 31 लाख करोड़ के उद्यम

शेष 17 प्रतिशत उद्यमी पारिवारिक व्यवसायों से जुड़े हैं, जिनमें दूसरी से लेकर पांचवीं पीढ़ी तक के कारोबारी शामिल हैं। यह रुझान भारत में पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर नवाचार आधारित उद्यमिता के विस्तार को दर्शाता है।

प्रमुख नाम और डिजिटल प्रभाव इस सूची में अदाणी पोर्ट्स ऐंड स्पेशल इकनामिक जोन के करण अदाणी, जिंदल स्टेनलेस के अभ्युदय जिंदल, ग्रो के ईशान बंसल तथा स्विगी के नंदन रेड्डी और श्रीहर्ष मजेटी जैसे नाम शामिल हैं। डिजिटल पहुंच के मामले में जीरोधा के निखिल कामत 13.9 लाख लिंक्डइन फालोअर्स के साथ शीर्ष पर हैं। बेंगलूरु स्थित एक्सपोनेंट एनर्जी के सह-संस्थापक संजय जगन्नाथ (36) सूची में सबसे कम उम्र के उद्यमी हैं, जबकि सोलर स्क्वैर की सह-संस्थापक श्रेया मिश्रा (36) सबसे कम उम्र की महिला उद्यमी हैं। हालांकि, सूची में केवल 15 महिलाएं शामिल हैं। शहरों में बेंगलूरु 48 उद्यमियों के साथ अग्रणी है। यू40 समूह की औसत आयु 38 वर्ष है और ये उद्यमी सामूहिक रूप से 4.43 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहे हैं। साफ्टवेयर, स्वास्थ्य, लाजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाएं इनके प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं।

एतिहाद एयरवेज बनी दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइन

नई दिल्ली। एयरलाइनरेटिंग डॉट कॉम ने 2026 की दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइंस की रैंकिंग जारी की। 320 एयरलाइंस के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद एतिहाद एयरवेज ने शीर्ष स्थान हासिल किया। यह गल्फ क्षेत्र की पहली एयरलाइन है जो सुरक्षा के मामले में सबसे आगे रही। सुरक्षा रेटिंग तय करते समय उड़ानों के रिकॉर्ड, विमानों की उम्र, पायलट ट्रेनिंग और टर्बुलेंस से निपटने की तैयारियों को ध्यान में रखा गया। टॉप-25 एयरलाइंस में पहला और छठा स्थान मात्र 1.3 अंकों के अंतर से अलग था। एतिहाद एयरवेज, कैथे पैसिफिक, क्वांटस, कतर एयरवेज, एमिरेट्स, एयर न्यूजीलैंड, सिंगापुर एयरलाइंस, ईवीए एयर, वर्जिन ऑस्ट्रेलिया और कोरियन एयर शामिल हैं। टॉप-25 में कोई भारतीय एयरलाइन शामिल नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार भारत की कंपनियों को पायलट ट्रेनिंग और विमान बेड़े के रखरखाव में सुधार करना होगा।

सोना रिकार्ड ऊंचाई से फिसला, चांदी में तेजी बरकरार

सोने के भाव 1,52,500 प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,351 बढ़कर 3,19,800 के पार

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

रिकार्ड ऊंचाई छूने के बाद सोने के भाव में नरमी देखने को मिली, जबकि चांदी की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। हालांकि दोनों कीमती धातुएं अपने-अपने रिकार्ड स्तर से नीचे कारोबार कर रही हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की चाल अलग-अलग रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव करीब 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहे थे।

वहीं चांदी के वायदा भाव लगभग 3,20,000 रुपये प्रति किलो के पास बने हुए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कान्ट्रैक्ट 1,305 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,557 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,862 रुपये था। कारोबार के दौरान यह कान्ट्रैक्ट 1,52,499 रुपये तक फिसल गया। दिन के दौरान सोने ने 1,53,784 रुपये का उच्च और 1,50,140 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने ने 1,58,475 रुपये का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया है। वहीं चांदी के मार्च कान्ट्रैक्ट की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 1,351 रुपये की बढ़त के साथ 3,19,843 रुपये पर खुला। फिलहाल यह 1,463 रुपये की तेजी के साथ 3,19,955 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। चांदी ने दिन के दौरान 3,25,602 रुपये का उच्च और 3,16,500 रुपये का निचला स्तर छुआ। इसी सप्ताह चांदी ने 3,35,521 रुपये प्रति किलो का रिकार्ड स्तर बनाया था। कामेक्स पर सोने की शुरुआत सुस्त रही। सोना 4,836.20 डालर प्रति औंस पर खुला और बाद में 41.60 डालर की गिरावट के साथ 4,795.90 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस साल सोने ने 4,891.10 डालर का उच्च स्तर छुआ है। वहीं चांदी कामेक्स पर 0.55 डालर की तेजी के साथ 93.19 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी और इस साल इसका उच्च स्तर 95.74 डालर रहा है।

लान्च से पहले शोरुम पहुंची 2026 बजाज पल्सर 125

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बजाज आटो कंपनी की अपकमिंग 2026 बजाज पल्सर 125 को आधिकारिक लान्च से पहले ही डीलरशिप्स पर देखा जाने लगा है। यह अपडेट क्लासिक पल्सर रेंज को 2010 के बाद मिला सबसे बड़ा विजुअल बदलाव माना जा रहा है। हाल ही में सामने आए वाकअराउंड वीडियो से इस बाइक के डिजाइन और फीचर्स से जुड़े कई अहम खुलासे हुए हैं। बजाज की पल्सर सीरीज भारतीय बाजार में लंबे समय से लोकप्रिय रही है, जिसमें पल्सर 220, 150 और 125 शामिल हैं। हाल ही में कंपनी ने पल्सर 150 को नए फ्रंट फेस और मार्डर्न डिजाइन के साथ अपडेट किया था। अब इसी डिजाइन लैंग्वेज को पल्सर 125 में भी शामिल किया गया है। नई पल्सर 125 में अपडेटेड फेसिया और बदला हुआ हेडलाइट सेटअप देखने को मिलता है। सबसे अहम बदलाव यह है कि इस बाइक को पहली बार एलईडी हेडलाइट दी गई है, जिससे इसका लुक पहले से कहीं ज्यादा प्रीमियम नजर आता है। इसके अलावा बाइक में अब एलईडी टर्न इंडिकेटर्स भी मिलते हैं, जो इस सेगमेंट में इसकी अपील को और मजबूत बनाते हैं। हालांकि, एलईडी टेललाइट पहले की तरह ही रखी गई है। बाइक के फ्यूल टैंक, साइड पैनल और इंजन काउल पर नए ग्राफिक्स देखने को मिलते हैं, जो इसे फ्रेश लुक देते हैं। हालांकि, इसमें स्प्लिट सीट या स्प्लिट रियर ग्रैब रेल जैसे बदलाव नहीं किए गए हैं। फीचर्स की बात करें तो इसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, इल्यूमिनेटेड स्विचगियर और इंजन किल स्विच मिलता है, हालांकि टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन की सुविधा नहीं दी गई है।

कुल 6 नई एसयूवी होगी भारतीय बाजार में डेब्यू

नई दिल्ली। जनवरी के पहले ही हफ्तों में महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ, आल-न्यू किआ सेल्टोस और नई टाटा पंच जैसे बड़े लान्च के बाद अब एसयूवी सेगमेंट में एक बार फिर हलचल तेज होने वाली है। महीने के दूसरे पखवाड़े में कुल 6 नई एसयूवी भारतीय बाजार में डेब्यू या लान्च होने जा रही हैं। इस सिलसिले में सबसे पहले टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपनी नई अर्बन क्रूजर इलेक्ट्रिक को भारतीय बाजार में पेश करेगी। यह एसयूवी मारुति सुजुकी की ई विटारा की मैकेनिकल कजिन होगी और पहले से ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपलब्ध है। इसका फ्रंट डिजाइन हैमरहेड शार्क से प्रेरित बताया जा रहा है, जो टोयोटा की नई ग्लोबल डिजाइन लैंग्वेज को दर्शाता है। कंपनी इसे फ्रंट व्हील ड्राइव के दो वैरिएंट में उतार सकती है, जिनकी अनुमानित रेंज 543 किलोमीटर तक हो सकती है। इसके अलावा निसान भी अपनी नई ग्रेविट को लान्च करने की तैयारी में है। यह मैग्नाइट के सीएमएफ-एम प्लस प्लेटफार्म पर आधारित एक सब-4 मीटर एमपीवी होगी, जिसे रेनो ट्राइबर का रीबैज्ड वर्जन माना जा रहा है। हालांकि कंपनी इसमें नई ग्रिल, बदला हुआ बंपर और अपडेटेड हेडलैंप व टेललैंप देकर इसे अलग पहचान देने की कोशिश करेगी। इसमें 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ मैनुअल और एएमटी गियरबाक्स मिलने की उम्मीद है। 26 जनवरी को रेनो नेक्स्ट जेनरेशन डस्टर के साथ मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में वापसी करेगी। इसके बाद 28 जनवरी को फाक्सवैगन अपनी नई मिड-साइज एसयूवी टैरान को भारतीय बाजार में उतारेगी। वहीं महीने के अंत तक मारुति सुजुकी ई विटारा और स्कोडा कुशाक का फेसलिफ्ट वर्जन भी लान्च हो सकता है।

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना प्रवासी समाज का 'वोट-ए-थॉन' 25 को

मेजर जनरल अजय मिश्रा मुख्य अतिथि और जीएचएमसी कमिश्नर कर्णन ''OATH2VOTE''शपथ दिलाएंगे

शत-प्रतिशत हो मतदान : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रवासी समाज कल्याणकारी संगठन (TPSWO) आगामी 25 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित संजीवैया पार्क में एक विशाल मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नैतिक मतदान, नागरिक जिम्मेदारी और 100 प्रतिशत मतदाता भागीदारी को बढ़ावा देना है। मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर होने वाले इस कार्यक्रम का विषय 'लोकतंत्र को कर्म से अमरांजलि' रखा गया है, जो सुबह 6:30 बजे से 9:00 बजे तक चलेगा।

सेना और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे शिरकत

भारतीय सेना (TASA) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मेजर जनरल अजय मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और वोट-ए-थॉन – रन4वोट इंडिया' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके साथ ही, जीएचएमसी (GHMC) कमिश्नर आर.वी. कर्णन, IAS, उपस्थित जनता को ''OATH2VOTE''की शपथ दिलाएंगे। इस आयोजन में पूर्व आईएएस, आईपीएस, सेना के दिग्गजों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित समाज के हर वर्ग की भागीदारी रहेगी।

समाज के विभिन्न वर्गों और दिग्गजों का होगा जमावड़ा

इस आयोजन में पूर्व आईएएस, आईपीएस और आईआरएस अधिकारियों सहित वरिष्ठ नौकरशाह, सेना के दिग्गज, पूर्व सैनिक और तेलंगाना में रहने वाले प्रतिष्ठित प्रवासी नागरिक हिस्सा लेंगे। इनके अलावा इंजीनियर, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, चिकित्सा शोधकर्ता, वित्तीय नेता और प्रोफेसर भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की समावेशिता को दर्शाते हुए इसमें संस्कृति, मीडिया, खेल और आध्यात्मिकता के प्रतिनिधियों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के कार्यकर्ता, कलाकार और उद्यमी भी भाग लेंगे।

''राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ समावेशी भागीदारी

मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल ने कहा कि यह पहल ''विविधता में एकता – राष्ट्र प्रथम'' की भावना को समर्पित है। उन्होंने चुनाव आयोग को लोकतंत्र का 'प्रथम योद्धा' और मतदाता को 'सबसे शक्तिशाली रक्षक' बताया। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय के कार्यकर्ताओं, कलाकारों और उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया है, जो समाज में समावेशिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर, हम समस्त नागरिकों एवं संस्थानों को भारत की लोकतांत्रिक भावना को सामूहिक रूप से सम्मानित करने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा करने वाले चुनाव अधिकारियों की निःस्वार्थ एवं मूक सेवा को नमन करने हेतु आमंत्रित करते हैं। यह कार्यक्रम प्रत्येक नागरिक को यह पुनः स्मरण कराता है कि लोकतंत्र मौन में नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागिता में फलता-फूलता है।

देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम

इस आयोजन में संवैधानिक शपथ के साथ-साथ ''जोश – जय हो आवर सोल्जर हीरोज'' थीम पर देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी जाएंगी। टीपीएसडब्ल्यूओ ने नारा दिया है ''तेलंगाना प्रवासी समाज का एलान – करेंगे शत-प्रतिशत मतदान''।

सोमाजीगुडा स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष आर. एन गुप्ता, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक अजय कुमार अग्रवाल, तेलंगाना अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध अग्रवाल, समाजसेवी नरेन्द्र शर्मा, राधे राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, सेंट्रल पीस कमेटी व अखिल भारतीय ब्राह्मण फेडरेशन के तेलंगाना चैयरमेन श्रीकिशन शर्मा एडवोकेट, मुकेश कटारिया, विमल जैन मुथा, अशोक रामपुरिया, आर. राजेश्वर आदि गणमान्य उपस्थित थे।

संवाददाता सम्मेलन में मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना में करीब 45 लाख से ज्यादा प्रवासी हैं, यदि सभी ने अवश्य मतदान की शपथ ली तो वह न केवल लोकतंत्र को मजबूती देंगे, बल्कि देश और राज्य का सतत् विकास भी सुनिश्चित करेंगे। उनका कहना था कि राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उडीशा, पश्चिम बंगाल, और कर्नाटक आदि राज्यों से यहाँ तेलंगाना में बसे सभी प्रवासियों को एकजुट होकर मजबूत सरकारों और योग्य विकासशील उम्मीदवारों के पक्ष में शत-प्रतिशत मतदान करना चाहिए। उन्होंने 40-50 प्रतिशत मतदान को शर्मनाक/लोकतंत्र के लिए घातक बताते हुए कहा कि मतदाताओं को 100 प्रतिशत मतदान के लिए आगे आना होगा, तभी उन्हें विकास का सही फल मिलेगा और वे अपने परिवार, समाज, राज्य व देश पर सही मायने में सच्चा कर्म करने के लिए गर्व कर पाएंगे।

संवाददाता सम्मेलन को अनिरुद्ध अग्रवाल, अजय अग्रवाल, आर. एन गुप्ता, श्रीकिशन शर्मा एडवोकेट, जगत नारायण अग्रवाल ने भी संबोधित कर 25 जनवरी के कार्यक्रम में अधिकाधिक नागरिकों से भाग लेने की अपील की।

शिव शक्ति महिला मोतीनगर शाखा का नववर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की शिव शक्ति महिला शाखा, मोतीनगर द्वारा नववर्ष एवं मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम लोढा क्लब हाउस, सनतनगर में अत्यंत हर्षोल्लास एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सामाजिक समरसता और पारिवारिक सौहार्द का परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराज अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात शाखा अध्यक्ष दीपा अग्रवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एटीएस प्रिविलेज कार्ड की जानकारी दी तथा सभी सदस्यों से गौ-सेवा से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को और अधिक मनोरंजक बनाने के उद्देश्य से अंताक्षरी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही नए एवं रोचक तरीकों से विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें म्यूजिकल चेयर, पासिंग द पिलो सहित अन्य खेल शामिल थे। खेलों का सफल संचालन नीलम गोयल एवं प्रीति अग्रवाल द्वारा किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की कैटरिंग व्यवस्था का दायित्व पायल अग्रवाल एवं संध्या अग्रवाल ने संभाला।

रिटर्न गिफ्ट्स की जिम्मेदारी किरण मित्तल एवं किरण अग्रवाल द्वारा निभाई गई।

वहीं सेल्फी बूथ एवं सजावट का सुंदर संयोजन दीपा अग्रवाल एवं सुमन द्वारा किया गया, जिसने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज, राघव रत्ना टावर्स की शीतल अग्रवाल को गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शॉल, दुपट्टा एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 50 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही शाखा में नए सदस्यों को भी जोड़ा गया, जिससे संगठन की मजबूती और सक्रियता में वृद्धि हुई।कार्यक्रम के अंत में शिव शक्ति महिला शाखा के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

500 वर्षों के संघर्ष और आस्था की विजय का प्रतीक है श्रीराम मंदिर : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास संचालित नियमित अन्नदान सेवा के अंतर्गत प्रभु श्रीराम लला मंदिर की स्थापना की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर विशेष अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ आयोजित किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने भावविभोर शब्दों में कहा कि आज का दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि 500 वर्षों के संघर्ष, बलिदान और अटूट आस्था की ऐतिहासिक विजय का दिन है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, उसकी सनातन संस्कृति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शसत्य, त्याग, करुणा, मर्यादा और सेवाआज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। श्रीराम मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रगौरव, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता का प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, जरूरतमंदों, निराश्रितों एवं श्रमिकों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन कराया गया। अन्नदान सेवा को समाजसेवा का श्रेष्ठ माध्यम बताते हुए आयोजकों ने कहा कि भूखे को भोजन कराना ही सच्ची रामभक्ति है।इस विशेष अन्नदान कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सरदा, भगतराम गोयल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, रोहित अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवाभाव से सक्रिय सहभागिता निभाई।

डब्ल्यूईएफ 2026 : तेलंगाना सरकार और गोदरेज समूह के बीच भविष्य की योजनाओं पर महत्वपूर्ण चर्चा

दावोस/हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 के दौरान तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रभनिवास रेड्डी ने गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी नादिर गोदरेज से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

ऑयल पाम खेती में अख का उपयोग और डेयरी क्षेत्र का विस्तार

बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु ऑयल पाम की खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एकीकरण की संभावनाओं को तलाशना रहा। इसके साथ ही, गोदरेज समूह ने हैदराबाद में अपने मक्रीमलाइन डेयरीफ प्लांट के विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपये के निवेश की योजना साझा की। यह निवेश क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

भारत फ्यूचर सिटी में बड़े इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर विचार

प्रतिनिधिमंडल ने भारत फ्यूचर सिटी के आवासीय क्षेत्र में बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

बैठक में यह बात उभर कर आई कि फ्यूचर सिटी में सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना सरकार और कंपनी दोनों के लिए एक बड़ी वैल्यू ऐड साबित होगा। इससे आधुनिक शहरी जीवन की नई परिभाषा तय करने में मदद मिलेगी।

मंत्री श्रीधर बाबू ने नादिर गोदरेज को हैदराबाद आमंत्रित किया

मंत्री श्रीधर बाबू ने नादिर गोदरेज का स्वागत किया और उन्हें जल्द ही हैदराबाद आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा से आपसी संबंधों को और मजबूती मिलेगी और चर्चा किए गए प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया तेज होगी। सरकार ने विश्वास जताया कि गोदरेज जैसे बड़े समूह की भागीदारी से तेलंगाना के औद्योगिक और सामाजिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आएगा।

नुमाइश सुर-स्टार 2026: युवा गायकों को मिलेगा अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मंच

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रदर्शनी सोसायटी, हैदराबाद ने युवा गायकों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से नुमाइश सुर-स्टार 2026 नामक एक भव्य गायन प्रतियोगिता आयोजित करने की घोषणा की है। शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजकों ने इस प्रतियोगिता के विवरण साझा किए।आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम को देश भर में आयोजित होने वाली प्रमुख गायन प्रतियोगिताओं की तर्ज पर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता हैदराबाद और तेलंगाना के युवा गायकों को लाइव दर्शकों और प्रसिद्ध जजों के सामने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करेगी। इस मंच के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, 16 से 35 वर्ष की आयु के प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि गायकों को बॉलीवुड के साथ-साथ टॉलीवुड की विभिन्न गायन शैलियों में अपनी कला दिखाने का मौका दिया जाएगा। इससे विविधता को बढ़ावा मिलेगा और हर तरह के गायन कौशल को सराहना मिलेगी।ऑडिशन, नॉकआउट राउंड और ग्रैंड फिनाले के विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। ये सभी प्रतियोगिताएं वर्तमान में चल रहे ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन (एआईआईई) यानी नुमाइश के दौरान ही आयोजित की जाएंगी। आयोजकों ने मीडिया प्रतिनिधियों से युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार करने का अनुरोध किया है। उन्हें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य की नई गायन प्रतिभाएं दुनिया के सामने आएंगी।

अग्रवाल समाज गौ सेवा कमेटी द्वारा गौ सेवा का आयोजन

अत्तापुर स्थित श्री कृष्ण गौसेवा में हरी घास व सब्जियों की सेवा

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा गठित अग्रवाल समाज गौ सेवा कमिटी के तत्वावधान में गौ सेवा का आयोजन किया गया। इस संबंध में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कोर कमिटी के वाइस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सेवा कमिटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल के सान्निध्य में यह गौ सेवा काला हनुमान मंदिर की श्री कृष्ण गौसेवा, अत्तापुर में आयोजित की गई। इस अवसर पर गौ माताओं के लिए एक लारी हरी घास, हरी सब्ज़ियों की फल्ली, लौकी आदि की सेवा की गई।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अग्रवाल समाज गौ सेवा कमिटी की बैठक प्रति माह आयोजित की जाती है, जिसके अंतर्गत 11 सदस्यीय कोर कमिटी का गठन किया गया है।

सभी निर्णय लेने का अधिकार कोर कमिटी को दिया गया है। प्रति माह विभिन्न गौशालाओं में चारा खिलाने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त बीमार गौ माताओं के उपचार हेतु दवाइयाँ उपलब्ध कराने का भी निर्णय किया गया है। इस गौ सेवा कार्यक्रम में कोर कमिटी के चेयरमैन मनीष अग्रवाल, वाइस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगाट, अमित गोयल, दीपा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रिंकू गर्ग सहित अनेक सदस्यों ने सहभागिता की। अन्य अनुदानदाताओं में श्याम अग्रवाल, गोविन्दराज, सुनील संघी, भरत अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, दिव्या पित्ती, नेहा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल आदि ने भी गौ सेवा में अपना सहयोग प्रदान किया।

गौ सेवा के पश्चात काला हनुमान मंदिर में पूजा, अर्चना एवं आरती की गई। तत्पश्चात अल्पाहार का आयोजन हुआ। अंत में चेयरमैन मनीष अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ गौ सेवा कार्यक्रम का समापन किया गया

भारत फ्यूचर सिटी में 5,000 करोड़ की लागत से बनेगा 100 मेगावाट का एआई डेटा सेंटर

दावोस/हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य को भारत का अग्रणी एआई डेटा सेंटर हब बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 के दौरान, नीदरलैंड स्थित यूपीसी रिन्यूएबल्स ग्रुप और वोल्ट डेटा सेंटर्स के साथ हुई बैठक में राज्य को भारी निवेश प्राप्त हुआ है।

कार्बन मुक्त ऊर्जा से संचालित होगा हाई-परफॉर्मेंस डेटा सेंटर

यूपीसी वोल्ट संयुक्त उद्यम ने भारत फ्यूचर सिट में 100 मेगावाट का एआई-रेडी डेटा सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इस डिजिटल बुनियादी ढांचे को पूरी तरह कार्बन मुक्त रखने के लिए इसके साथ ही 100 मेगावाट का आरटीसी) अक्षय ऊर्जा प्रोजेक्ट भी लगाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट उच्च प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता पर केंद्रित होगा, जो डिजिटल क्रांति को पर्यावरण के अनुकूल बनाएगा।

5,000 करोड़ का निवेश और हजारों रोजगार के अवसर

अगले पांच वर्षों में होने वाले इस 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से निर्माण के दौरान 3,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। संचालन शुरू होने के बाद, यह केंद्र 800 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करेगा। इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह सुविधा तेलंगाना के मग्रीन ओपन एक्सेस फ्रेमवर्कफ के तहत अक्षय ऊर्जा सोर्सिंग के साथ एकीकृत होगी।

2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था और नेट-जीरो का लक्ष्य

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा इस निवेश को सुनिश्चित करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, जिसे उच्च स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे और नेट-जीरो विकास के रोडमैप के जरिए हासिल किया जाएगा। मंत्री श्रीधर बाबू ने बताया कि राज्य सरकार हाई-डेंसिटी जीपीयू और लिक्विड कूलिंग जैसे घटकों के लिए प्रोत्साहन देकर तेलंगाना को वैश्विक एआई हब बनाने के लिए आक्रामक रूप से काम कर रही है।

मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने प्रदान किए 7वें एफ़टीसीसीआई पुरस्कार

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाने और खान एवं भूविज्ञान मंत्री गद्दाम विवेक वेंकट स्वामी ने गुरुवार को हैदराबाद के रेड हिल्स में एफ़टीसीसीआई (फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) द्वारा आयोजित 7वें एफ़टीसीसीआई एचआर पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और पुरस्कार प्रदान किए।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जब भी सरकार नए नियम लाती है, तो शुरुआती विरोध होता है, लेकिन समय के साथ उन्हें स्वीकार कर लिया जाता है। उन्होंने अपने पिता और पूर्व केंद्रीय श्रम मंत्री की याद दिलाते हुए बताया कि उन्होंने औद्योगिक श्रमिकों के लिए पेंशन योजना शुरू की थी, जिसका तब काफी विरोध हुआ था। उन्होंने यह भी साझा किया कि जब वे स्वयं सीआईआई के अध्यक्ष थे, तब उन्होंने उद्योग की चिंताओं को सरकार तक पहुंचाया, लेकिन उनके पिता श्रमिक कल्याण पर अडिग रहे।मंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे तेलंगाना सरकार द्वारा स्थापित किए जा रहे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स (एटीसी) का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि राज्यभर में 115 ऐसे केंद्र खोले जा रहे हैं, जो देश में कहीं और नहीं हैं। ये केंद्र युवाओं को भविष्योन्मुखी और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण देंगे और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएंगे।उद्योग विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह रोजगार सृजित करता है और राज्य के राजस्व में योगदान देता है। उन्होंने एचआर पेशेवरों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया, जो श्रमिकों की भलाई और संतुलित विकास सुनिश्चित करते हैं।पुरस्कार विजेताओं में- टैलेंट अधिग्रहण और प्रबंधन: अपिटोरिया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड (बड़ी कंपनी), 3जीएचआर सेवाएं (एसएमई)।लर्निंग एंड डेवलपमेंट: कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड (बड़ी कंपनी), ईसीएमएएस कंस्ट्रक्शन केमिकल प्राइवेट लिमिटेड (एसएमई)परफॉर्मेंस मैनेजमेंट: क्रिटिकलरिवर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड

कर्मचारी सगाई रणनीति: सिग्नोड इंडिया लिमिटेड (बड़ी कंपनी), एउचअड (एसएमई)

एचआर टेक्नोलॉजी: रामको सीमेंट्स लिमिटेड (बड़ी कंपनी), श्रीचक्र पॉलीप्लास्ट (एसएमई)

व्यक्तिगत उत्कृष्टता: वर लक्ष्मी उदंडा (बेस्ट एचआर मैनेजर), एम. रामकृष्ण साई (बेस्ट एचआर हेड), जे. साई प्रसाद (जूरी सराहना पुरस्कार)।

जीवरक्षा फाउंडेशन ट्रस्ट एवं अहिंसा क्रांति द्वारा 121 हस्तियों का हुआ सम्मान

ऑल इंडिया भैरव दरबार के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र चौधरी भी सम्मानित

बेंगलूरु, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गार्डन सिटी अर्थात भारत के आईटी हब कहे जाने वाले बेंगलूरु महानगर की धरा पर प्रथम बार जीवरक्षा फाउंडेशन ट्रस्ट एवं अहिंसा क्रांति के संयुक्त तत्वाधान में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें विविध क्षेत्रों में उपलब्धिपरक क्रियाशील सामाजिक संस्थाओं से सम्बन्धित 121 हस्तियों को विभिन्न पदवियों से अलंकृत कर सम्मानित किया गया। इस दौरान ऑल इंडिया भैरव दरबार के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र चौधरी का भी विशिष्ट सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि टीवी कलाकार शरद सांखला, अतिथि डॉ. अंजनअप्पा, श्रीधर, मुख्य सलाहकार कमल बैद, जीवदया प्रेमी अजित भाई जैन आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. अंजनअप्पा एवं टीवी कलाकार शरद सांखला ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम कॉर्डिनेटर आशीष बाफना के मुताबिक स्थानीय टाउन हॉल में आयोजित हुए सम्मान समारोह में जीवदया, भामाशाह, जिनशासन सम्मान से अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिसमें श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटका बैंगलोर, सेकंड इनिंग्स, जैन मिशन हॉस्पिटल चिकबालापुर, गुरु केवल भक्त परिवार, जैन कॉन्फ्रेंस एवं एसएमएस विहार सेवा, नई दिशा, मातृछाया, सरीखी अनेक सेवाएं करने वाली संस्थाओं के साथ सामाजिक कार्य करने मशहूर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नरपत सोलंकी, चंचलराज छल्लानी, डॉ. उत्तमचंद कोठारी, सीएन रमेश भी शामिल हुए। साथ ही इस दौरान दक्षिण भारत से चेन्नई, मैसूर तथा गुजरात, मुंबई, राजस्थान, दिल्ली आदि जगह से आए हुए मेहमानों का मेमेंटो, दुपट्टा, शाल एवं प्रशस्ति पत्र देकर अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन के मुख्य संरक्षक गौतमचंद धारीवाल ने अपने संजीदगी भरे भाषण के माध्यम से सभी का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने जीवरक्षा फाउंडेशन ट्रस्ट एवं अहिंसा क्रांति ग्रुप का विस्तृत परिचय भी दिया। कार्यक्रम के दौरान मुकेश नाहर, सुरेन्द्र मुनोत, सतीश लूणावत, केतन भाई संघवी आदि ने सहयोग किया। दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से शुरु हुए कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। वार्षिक कलेंडर पंचांग भी लोकार्पित किया गया। इस दौरान संचालन की भूमिका समाजसेविका नीलम ललवानी ने निभाई।

अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने केंदीय वित्त मंत्री को प्रेषित किया ज्ञापन

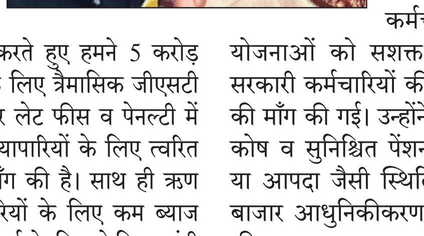

बेंगलूरु, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के व्यापारियों को राहत प्रदान करने तथा व्यापार-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से द बैंगलोर होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन (बीडब्लूसीएमए) ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को अपने महत्वपूर्ण सुझावों का ज्ञापन प्रेषित किया है। एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में छोटे व मध्यम व्यापारियों पर बढ़ते कर-अनुपालन, ऋण की कठिन उपलब्धता तथा ई-कॉमर्स से उत्पन्न असमान प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने बताया कि जीएसटी सरलीकरण की माँग करते हुए हमने 5 करोड़ तक के टर्नओवर वाले व्यापारियों के लिए त्रैमासिक जीएसटी रिटर्न की सुविधा, वास्तविक देरी पर लेट फीस व पेनल्टी में छूट, तथा एमएसएमई व निर्यातक व्यापारियों के लिए त्वरित व स्वचालित जीएसटी रिफंड की माँग की है। साथ ही ऋण व वित्तीय सहायता के तहत व्यापारियों के लिए कम ब्याज दर पर कार्यशील पूंजी ऋण, एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी योजना की सीमा बढ़ाने, खुदरा व थोक व्यापारियों को 2 से 3 फीसदी ब्याज सब्सिडी तथा पारंपरिक छोटे व्यापारियों के लिए सरल ऋण दस्तावेजीकरण की भी माँग की गई।उन्होंने बताया कि अनुपालन व निरीक्षण में राहत हेतु एसोसिएशन ने ऑनलाइन व फेसलेस कंप्लायंस सिस्टम लागू कर इंस्पेक्टर राज समाप्त करने तथा बिना पूर्व अनुमति और लिखित कारण के भौतिक निरीक्षण न करने की माँग रखी है।ई-कॉमर्स से निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में ऑनलाइन और ऑफलाइन व्यापार के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु गहरे डिस्काउंट व शिकारी मूल्य निर्धारण पर सख्त नियंत्रण तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर समान कर व अनुपालन नियम लागू करने की माँग की गई है। वहीं छोटे व्यापारियों को कर राहत हो, इस बाबत आयकर की मूल छूट सीमा बढ़ाने, प्रिज़म्पटिव टैक्स स्कीम की सीमा 2 करोड़ से आगे बढ़ाने तथा छोटे-मध्यम व्यापारियों पर एडवांस टैक्स का बोझ कम करने की सिफारिश भी की गई।डिजिटल परिवर्तन हेतु सहयोग हेतु सरकार से पीओएस मशीन, बिलिंग सॉफ्टवेयर एवं अन्य डिजिटल टूल्स के लिए सहायता तथा साइबर सुरक्षा व डिजिटल अनुपालन पर सब्सिडी देने का अनुरोध किया गया है। पिरगल ने सामाजिक सुरक्षा व कल्याण की भावना से व्यापारियों व उनके कर्मचारियों के लिए पेंशन एवं बीमा योजनाओं को सशक्त करने तथा छोटे व्यापारियों को सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर स्वास्थ्य बीमा सुविधा देने की माँग की गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण कोष व सुनिश्चित पेंशन के लिए एसोसिएशन ने महामारी या आपदा जैसी स्थितियों में राहत, कौशल विकास एवं बाजार आधुनिकीकरण हेतु राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण कोष की स्थापना का सुझाव दिया है। साथ ही, किसी भी बड़े कर, जीएसटी या खुदरा नीति परिवर्तन से पूर्व मान्यता प्राप्त व्यापारी संगठनों एवं नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड (एनटीडब्लूबी) से अनिवार्य परामर्श की माँग की। इसके अलावा 60 वर्ष की आयु के बाद पंजीकृत व्यापारियों के लिए न्यूनतम 10,000 प्रतिमाह की सुनिश्चित पेंशन योजना लागू करने का भी आग्रह किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं भारत सरकार में नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के सदस्य प्रकाश पिरगल ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें बजट के माध्यम से स्थायी राहत व सुरक्षा देना समय की आवश्यकता है।

महासर माता सहित अनेक संत-देव मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर के चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में महासर माता, बावलिया बाबा, अग्रसेनजी महाराज, सिद्ध श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज एवं बाबा श्री बालकदासजी महाराज के मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अंतर्गत चतुर्थ दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से मठ परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

मंडलादि पूजन, हवन व महाअभिषेक विधि संपन्न

प्राण-प्रतिष्ठा के चतुर्थ दिवस मंडलादि पूजन, हवन, मूर्तियों का महाअभिषेक, देवी स्नपन विधि एवं शय्याधिवास की विधियाँ वेदाचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार एवं भजन-कीर्तन के साथ विधिवत संपन्न कराई गईं।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल एवं दिनेश कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि डीडवाना के द्वाराचार्य एवं निरंजनी संप्रदायाचार्य पूज्य श्री सांवरदेवाचार्यजी महाराज, श्री पंच निर्मोही अत्री अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत श्री राजेन्द्रदासजी महाराज, शुभेच्छुक श्री खेमदास मठ चूड़ी बाजार के मठाधिपति महंत डॉ. मनुदासजी महाराज, तथा प्राण-प्रतिष्ठा आचार्य विद्वान पं. सुनील कुमार शर्मा (सोनू महाराज) के सान्निध्य में यह पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहा है।

अतिथियों का सम्मान, समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना के अध्यक्ष योगेश जैन एवं उपाध्यक्ष शिवकुमार भालवाले, मुंबई से परमहंस श्री गणेशजी पंडित मेमोरियल ट्रस्ट के रतनजी सिंघानिया एवं अरुण केडिया, तथा चिड़ावा से प्रभुशरण तिवारी एवं मुकेश पुजारी का शिवाल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

भजन संध्या में कर्णप्रिय प्रस्तुतियां

सायंकाल आयोजित भजन संध्या में दिल्ली से दयाचंदजी, सुश्री ममता सावरियां, पंकज ओझा एवं संजय दाहिमा ने कर्णप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

आयोजन में अनेक समाजसेवियों का योगदान

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल एवं राजकुमार अग्रवाल के अतिरिक्त अमरनाथ केड़िया, दिनेश कुमार, विशंभरलाल निमानी, गोपाल अग्रवाल, विनोद गोयल, नवरतन कानोडिया, विनोद केड़िया, रविंद्र कुमार अग्रवाल, विकास मोदी, दिनेश कुमार सिंघल, आशीष अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, आलोक भालोटिया, मनीष अग्रवाल, चन्द्रप्रकाश केड़िया, राधेश्याम अग्रवाल, रितेश कुमार अग्रवाल, रविंद्र अग्रवाल, किशन अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, प्रकाश गर्ग, सोनू वैभव अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, राजकुमार केड़िया, सत्यनारायण फोगला, वेणुगोपाल भालोटिया, नीरज केड़िया, संजय केड़िया, पंकज कुमार केड़िया, दीनबंधु अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, अक्षय स्वामी, यश स्वामी, चेतन स्वामी, धर्मदास स्वामी, राजेश पुजारी, रतन सहित अनेक श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

दर्शन हेतु समय निर्धारित

सभी भक्तों से निवेदन किया गया है कि वे प्रातः 8.30 बजे से 12.01 बजे के बीच पधार कर यज्ञ दर्शन करें तथा नवनिर्मित मंदिरों में प्राण-प्रतिष्ठा के पश्चात सायं 7.31 बजे प्रभु के प्रथम दर्शन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।

IN THE COURT OF THE HON'BLE VIII JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD

O.S.NO. 19 of 2026

BETWEEN:
1. Smt. Urmila Bai Gupta and others ....PLAINTIFFS

AND

1. All other Concerned Persons
2. Mandal Revenue Officer, ...DEFENDANTS

NOTICE

To,
All other concerned persons.

Please take notice that the above named plaintiffs has instituted as suit against you for declaration as legal heirs of late Dhruv Kumar Gupta before the above mentioned Hon'ble Court and the same is stands posted to 6-2-2026 for your appearance. Hence you are hereby summoned to appear in the Court in person or by a pleader duly instructed and able to answer all material questions relating to the suit or who shall be accompanied by some person able to answer all such questions on the 6 day of February 2026 at 10-30 O'clocks in the forenoon to answer the claim, failing which the above suit will be decided in your absence.

"BY THE ORDER OF THE COURT"

M/s. Megha Rani Agarwal
Advocate &
Central Govt. Sr. Panel Counsel
#21-1-883, Mama Jumla Phatak, Charkaman, Hyderabad

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 22 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान महादान है और मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के निरंतर समाज के कमजोर वर्गों की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।अन्नदान सेवा में प्रमुख रूप से मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सरडा एवं तेजप्रकाश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

CHANGE OF NAME & DOB

I, DROUPATI ARJUN MIRASHI Mother of Service No. 16116900L Hav PANDURANG A MIRASHI, Residing at Vill:Dopenatti, PO:Benachi, Taluk:Alnavar, Dist:Dharwad, Karnataka-581103 have changed my name and DOB from MAYA MIRASHI, DOB:01-07-1974 to DROUPATI ARJUN MIRASHI, DOB:10-07-1971 vide affidavit dt:22-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, ARJUN KHEDARI MIRASHI Father of Service No. 16116900L Hav PANDURANG A MIRASHI, Residing at Vill:Dopenatti, PO:Benachi, Taluk:Alnavar, Dist:Dharwad, Karnataka-581103 have changed my name and DOB from ARJUN MIRASHI, DOB:01-07-1966 to ARJUN KHEDARI MIRASHI, DOB:24-09-1966 vide affidavit dt:22-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

Y. Venkateswari, Spouse of JC160800X, Rank:RIS MAJ/HONY LT Name: Kondalarao Yelisetti, resident of Flat No.108, S S Granduer Apts, Phase-V, KPHB Colony, Kukatpally, Medchal - 500085, Telangana have Change my name from Y. VENKATESWARI to YELISETTY VENKATESWARI, vide affidavit dated: 22-01-2026, at Scunderabad.

CHANGE OF NAME

I, DEBASRI CHAUDHARY Spouse of Service No.JC 287866M Sub (DS) PLABAN CHAUDHURY, Residing at Vill:Putputia, PO:Putputia, Teh: Tamlauk, Dist:East Medinipur, West Bengal-721651 have changed my name from DEBASRI CHAUDHARY to DEBASRI CHAUDHURY vide affidavit dt:21-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, Service No-14659261Y, Rank-Hav Name- Christopher Vangalapudi, R/o H.No-2-2-271/166, Street No-15, Royal Enclave ,Macha Bollaram, Vill: Akbarja, Alwal Post Secunderabad, Telangana,PIN-500010, I have changed my Daughter name from NISSI EVANGELINE V to NISSI EVANGELINE add in my service documents vide affidavit date 22 Jan 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

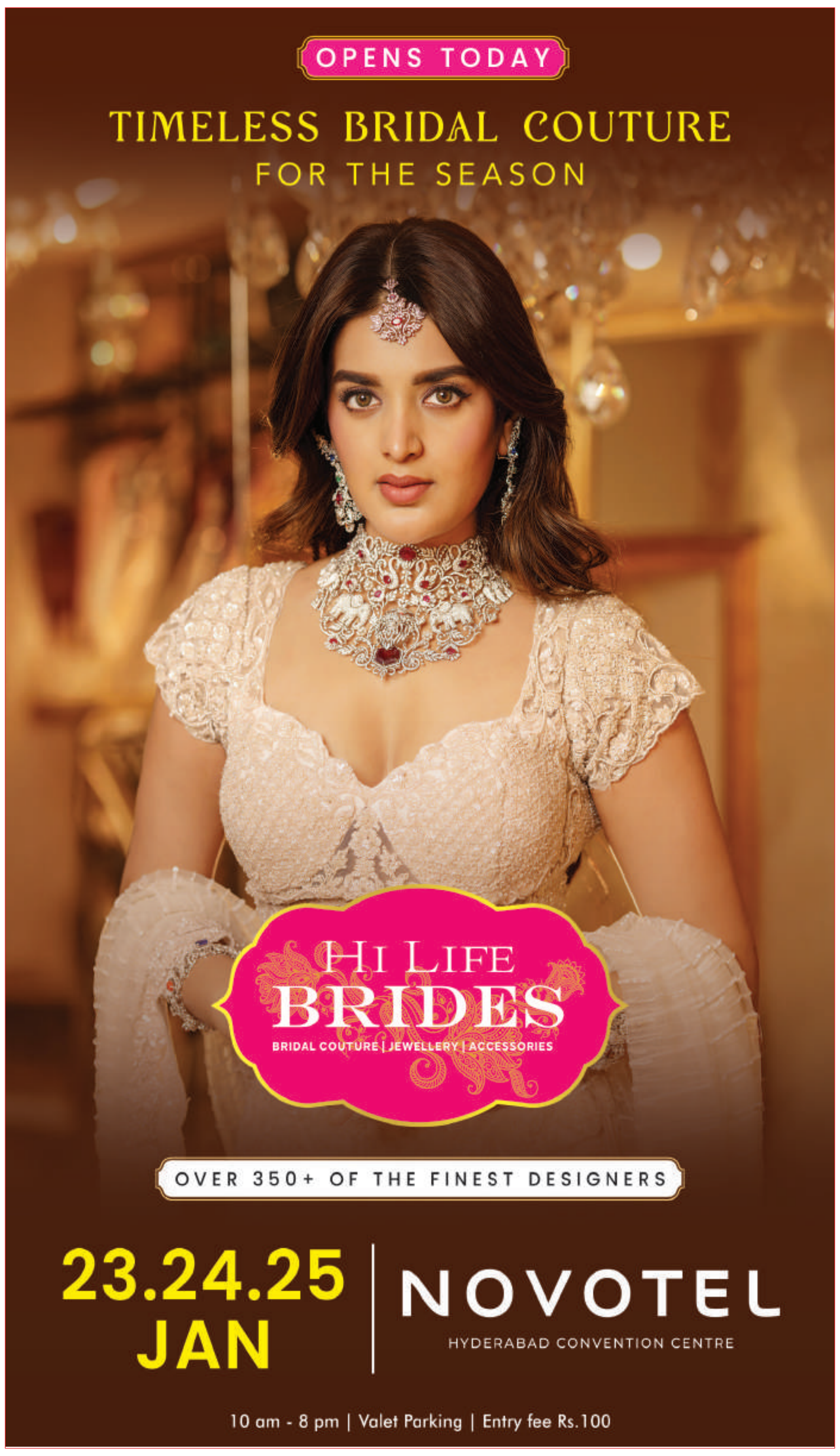

आज
बसंत पंचमी
शुक्रवार
23
जनवरी
2026

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर

महिन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

LIVE ON LIVE

सभी श्याम प्रेमी
एवं संस्थाएँ
सादर आमंत्रित है।

भव्य सजावट
अलौकिक दरबार
दिव्य श्रृंगार
प्रसाद

प्रातः 8:30 बजे
बाबा के बसंती वस्त्र
भक्तों में वितरित
किए जायेंगे।

भजन प्रस्तुतकर्ता
श्याम दिवाने
मलकपेट, हैदराबाद

सेवाएं

मंदिर श्रृंगार सेवा
बाबा का श्रृंगार सेवा
बाबा का बागा सेवा
प्रसाद सेवा
सवामणि सेवा
छप्पन भोग सेवा
पुष्प सेवा
फल सेवा

श्री श्याम भजन संध्या

सायं 6:31 बजे से

दर्शन समय

प्रातः 8:01 बजे से 1:00 तक
तथा शाम 4:31 बजे से मध्य रात्रि 12:00 बजे तक

सम्माननीय अतिथिगण

श्री नारायण श्रीगणेश
विधायक, कंटोनमेन्ट

श्री टी. पद्मा राव
विधायक, सिकन्दराबाद

श्री एम. हनुमंत राव
पूर्व विधायक

श्री एम. रोहित राव
विधायक, मेदक

श्री मल्ला रेड्डी
विधायक, मेडचल

श्री वैभव रघुनाथ गायकवाड़ IPS
डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस
टास्क फोर्स, हैदराबाद

श्री श्रीधर IPS
डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस,
मल्काजगिरी

श्री बी. मल्लीकार्जुन – श्रीमती नर्मदा
मनोनीत कंटोनमेन्ट बोर्ड मेम्बर

झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार
Lee-Chee Pearls & Jewels Feelkhana, Begum Bazar, Hyderabad

SKJ GOLD
Parklane, Secunderabad. Ph: 9849100220

अशोक कुमार जैन
जयपुर

CREST®
PLYWOOD | VENEER

सुमित कलेक्शन
कोलकाता

राधे ज्वेल्स
कोलकाता

माँ तारा ज्वेलरी
कोलकाता

जय श्री श्याम
हैदराबाद

Reliable Power Engineering
IDA, Nacharam Ph. 9010704720

रामा पाइप एण्ड फिटिंग
रानीगंज, सिकन्दराबाद फोन : 8885051223

राम स्टील ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 9000408975

AMRITSAR HAVELI® WORLD RECORD HOLDER RESTAURANT CHAIN
अमृतसर हवेली
आबिड्स फोन : 9281411691

तिरुमला तिरुपति मेन पार्लर
मल्लापुर फोन : 7899112567

निरंजनलाल अग्रवाल
सतोरदिया गर्ग परिवार, सैनिकपुरी फोन : 8008503991

विद्या स्टील स्टोर
शालीबण्डा फोन : 9246106840

श्री चामुण्डा टी वर्ल्ड
कापरा फोन : 9030873347

मेघना इंजीनियरिंग
ओल्ड बोइनपल्ली फोन : 9849005171

अभिषेक पारीक
कबूतरखाना फोन : 9295555617

कृष्णा स्टील ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 9440896450

श्री श्याम स्टील (रोलिंग शटर्स)
कवाड़ीगुडा फोन : 9246279001

जय हनुमान इंटरप्राइजेस
सिकन्दराबाद फोन : 9290459724

आदित्या सेलेक्शन
निजामपेट रोड फोन : 9849321808

श्री बालाजी पायल मिठाई भण्डार
मल्लापुर फोन : 7013151124

मोदक किचन
नाचारम फोन : 9949808070

महाराज पान एण्ड ड्राई फ्रूट शॉप
नाचारम फोन : 8179142111

श्याम स्टील ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 9866237787

राधिका स्टील
मल्लापुर फोन : 6305392800

श्री जीण माता स्टील ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 9398742129

सुनील अग्रवाल
मल्लापुर फोन : 8019759010

नमिता आइल डिपो
एल.बी. नगर फोन : 9640513526

विनायकिया स्क्रैप ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 8143616807

गोयल स्टील ट्रेडर्स
मल्लापुर फोन : 9290682732

प्रवीण अग्रवाल
मल्लापुर फोन : 9887119887

अंजनी क्रिएटर्स
पालाराम सुरेश कुमार, बोइनपल्ली फोन : 7671052865

विनोद कुमार गोयल
ईसीआईएल फोन : 9246224461

संजय कुमार गोयल
मलकपेट फोन : 9652729416

श्री श्याम ट्रेडर्स
एल.बी. नगर फोन : 9390801974

भवानी पॉलिमर्स
आईडीए नाचारम फोन : 8801651996

मुकेश जैन
काचीगुडा फोन : 8074512065

EKLINGJI BUILDCON

श्री SHYAM RESIDENTIAL & COMMERCIAL

SHREE SHYAM RESIDENCY
Open Plot & Commercial Shops For Rent
Anita Village, Kim - Olpad, NH - 65 Surat, Gujrat

Rupesh Singhania (Sri Bansilal Pearls) 9000005105
Akshay Dakotiya (Leechee Pearls & Jewel) 9177609018
Ajjay Agarwal (Surat) 8881677777

निवेदक : **श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट** चेयरमैन : **अरुण डाकोतिया**

अरुण डाकोतिया 9030033321 | विजय अग्रवाल 9246577468 | प्रवीण अग्रवाल 9297000456 | अशोक सिंघानिया 9246588443
अक्षय डाकोतिया 9177609018 | बृजेश मोदी 9246162913 | राहुल अग्रवाल 9849974657 | रूपेश सिंघानिया 9000005101
सुरेश अग्रवाल नाचारम 8499014970 | प्रवीण अग्रवाल नाचारम 9887119887 | राहुल अग्रवाल 9866757019

BHAVES

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.